रांची, मंगलवार, 28 जुलाई 2026

संवत 2083, अषाढ़ शुक्ल 14 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 314 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

4 ▸▸ जनता की स्मृतियों में जिंदा हैं जिम कॉर्बेट

श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम का ऐलान जडेजा की वापसी, सारांश जैन को पहली बार मौका ◂◂ 6

जेपीएससी के पूर्व चेयरमैन एल ख्यांगते पहुंचे सीआईडी ऑफिस, पूछताछ शुरू

14वीं सिविल सेवा परीक्षा समेत कई भर्तियों में कथित अनियमितताओं पर सवाल

मेट्रो रेज

रांची: झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) के पूर्व अध्यक्ष एल ख्यांगते मंगलवार को राज्य अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) के मुख्यालय पहुंचे, जहां उनसे 14वीं जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा समेत विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के मामले में पूछताछ शुरू कर दी गई है। सीआईडी के वरिष्ठ अधिकारी उनसे आयोग के कार्यकाल के दौरान हुई भर्ती प्रक्रियाओं, परीक्षा संचालन, परिणाम तैयार करने और चयन प्रक्रिया से जुड़े विभिन्न

पहलुओं पर सवाल-जवाब कर रहे हैं।

सूत्रों के अनुसार, सीआईडी की जांच का मुख्य फोकस 14वीं जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में सामने आए कथित गड़बड़ियों, अभ्यर्थियों की शिकायतों और भर्ती प्रक्रिया में नियमों के पालन को लेकर है। इसके अलावा आयोग द्वारा आयोजित अन्य भर्ती परीक्षाओं से जुड़े मामलों को भी जांच के दायरे में रखा गया है।

गौरतलब है कि जेपीएससी भर्ती विवाद की जांच पिछले कुछ दिनों से लगातार तेज हो गई है। इससे पहले सीआईडी ने पूर्व चेयरमैन एल। ख्यांगते के रांची स्थित आवास पर भी छापेमारी कर कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की जांच की थी। जांच एजेंसी ने आयोग से जुड़े कई अधिकारियों, कर्मचारियों और अन्य संबंधित लोगों से भी पूछताछ की है।

सीआईडी का मानना है कि भर्ती प्रक्रिया से जुड़े दस्तावेजों, डिजिटल रिकॉर्ड और संबंधित व्यक्तियों के बयान के आधार पर पूरे मामले की कड़ियों को जोड़ा जा रहा है। इसी क्रम में पूर्व चेयरमैन एल ख्यांगते को पूछताछ के लिए तलब किया गया था, जिसके बाद वह मंगलवार को सीआईडी कार्यालय पहुंचे।

बताया जा रहा है कि पूछताछ के दौरान सीआईडी अधिकारी परीक्षा प्रक्रिया, चयन सूची तैयार करने, अभ्यर्थियों के मूल्यांकन और आयोग के प्रशासनिक निर्णयों से जुड़े कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर उनका पक्ष जान रहे हैं। आवश्यकता पड़ने पर उन्हें दोबारा भी पूछताछ के लिए बुलाया जा सकता है।

उल्लेखनीय है कि जेपीएससी भर्ती विवाद को लेकर राज्यभर में अभ्यर्थियों द्वारा लगातार निष्पक्ष जांच की मांग की जाती रही है। इसी के मद्देनजर सीआईडी इस पूरे मामले की विस्तृत जांच कर रही है। जांच एजेंसी की आगे की कार्रवाई और पूछताछ के बाद मामले में नए खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

11 हथियार व 1562 कारतूस के साथ 16 नक्सलियों ने किया सरेंडर

14 नक्सली मिसिर बेसरा और असीम मंडल के प्रमुख सिपहसालार

संवाददाता

रांची: हेमंत सरकार को नई दिशा- नई पहल अभियान के तहत बड़ी सफलता मिली है। झारखंड के विभिन्न जिलों में सक्रिय कुल 16 माओवादियों ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है। 2 महीने के अंदर ये झारखंड पुलिस के लिए बड़ी सफलता है। आत्मसमर्पण करनेवालों में एक रीजनल कमांडर (आरसीएम), तीन जोनल कमांडर (जेडसीएम), तीन सब-जोनल कमांडर (एसजेडसीएम), छह एरिया कमांडर (एसीएम) और तीन कैडर स्तर के सदस्य शामिल हैं।

मौके पर राज्य की डीजीपी तदाशा मिश्रा ने कहा कि मुझे

आशा है कि जिन्होंने भी आज सरेंडर किया है उन्हें आज झारखंड सरकार की पॉलिसी का लाभ मिलेगा। बता दें, सरेंडर करने वालों में 14 माओवादी चाईबासा के हैं जबकि 2 लातेहार के हैं। चाईबासा में अब एक्टिव नक्सलियों की संख्या 6 बची है, जबकि पूरे राज्यभर में एक्टिव नक्सलियों की संख्या 20 ही बची है। सरेंडर के दौरान इन नक्सलियों ने कुल 11 हथियार, 38 मैगजीन और 1562 राउंड कारतूस पुलिस के हवाले किए।

धनबाद में ईडी की बड़ी कार्रवाई

अवैध कोयला कारोबार मामले में 12 से अधिक ठिकानों पर एक साथ छापेमारी

कई कारोबारियों और नेताओं के ठिकाने जांच के दायरे में

मेट्रो रेज

धनबाद: प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार सुबह झारखंड के धनबाद में कथित अवैध कोयला कारोबार और उससे जुड़े आर्थिक लेन-देन की जांच को लेकर बड़े पैमाने पर छापेमारी अभियान शुरू किया। ईडी की अलग-अलग टीमें जिले के 12 से अधिक ठिकानों पर एक साथ पहुंचीं और दस्तावेजों के साथ अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्यों की जांच में जुट गईं। सुबह से शुरू हुई इस कार्रवाई के कारण कई इलाकों में हलचल का माहौल रहा।

सूत्रों के अनुसार, ईडी की टीमों ने सरायढेला स्थित नालंदा कॉटेज के एक अपार्टमेंट, कतरास, टिकियापाड़ा, महुदा, लोयाबाद, झरिया और शिमला बहाल समेत

कई स्थानों पर एक साथ दबिश दी। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई अवैध कोयला कारोबार, उससे अर्जित संपत्तियों और संदिग्ध वित्तीय लेन-देन की जांच के तहत की जा रही है।

जानकारी के मुताबिक, जिन लोगों के ठिकानों पर ईडी की कार्रवाई चल रही है, उनमें कोयला कारोबारी पप्पू मंडल, गणेश यादव, माधव सिंह, हरेंद्र चौहान, अनिल गोयल, रोहित यादव, शबीर आलम, चौथाई कुलही निवासी सुभाष साव, कांग्रेस नेता इम्तियाज आलम तथा एलबी सिंह के करीबी रंजीत सिंह और उनके स्टाफ ओम प्रकाश सिंह के नाम शामिल हैं।सूत्रों के अनुसार, एलबी सिंह के करीबी रंजीत सिंह के शिमला बहाल स्थित आवास पर पहुंची ईडी टीम को शुरूआत में काफी देर तक बाहर इंतजार करना पड़ा। बताया जाता है कि टीम की सख्ती के बाद परिजनों ने दरवाजा खोला, जिसके बाद अधिकारियों ने घर के भीतर प्रवेश कर तलाशी अभियान शुरू किया। वहीं, लोदना के हुचुकटांड़ स्थित गणेश यादव के आवास पर भी ईडी अधिकारी दस्तावेजों की गहन जांच करते रहे। इसके अलावा कतरास स्थित रोहित यादव और शिमला बहाल स्थित ओम प्रकाश सिंह के आवासों पर भी तलाशी ली गई। ईडी की कार्रवाई के दौरान संबंधित परिसरों से दस्तावेज, वित्तीय रिकॉर्ड और अन्य महत्वपूर्ण सामग्री की जांच की जा रही है। हालांकि, समाचार लिखे जाने तक किसी प्रकार की बरामदगी या जब्ती को लेकर ईडी की ओर से कोई आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की गई थी।

न्यूज IN ब्रीफ

मुरी स्टेशन के बाहर अग्नि सुरक्षा सह जागरूकता अभियान

मुरी : आग से सुरक्षा को लेकर मुरी स्टेशन परिसर में जागरूकता अभियान चलाया गया। यह अभियान अग्नि शामक केन्द्र डोरंडा, के सहायक सुपरवाइजर प्रदीप कंगाली और रमेश तिवारी के नेतृत्व में कार्यक्रम किया गया। आग लगने पर आपातकाल कैसे तुरंत सक्रिय होना चाहिए। कैसे निपटना है, कैसे आग पर काबू पाना चाहिए। सभी उपकरण का प्रयोग कैसे किया जाए। मौके पर रेलवे के सभी विभाग के स्टाफ मौजूद थे।

उपायुक्त ने मयूरहंड प्रखंड सह अंचल कार्यालय का किया निरीक्षण

चतराः उपायुक्त रवि आनंद ने सोमवार को मयूरहंड प्रखंड क्षेत्र का दौरा कर प्रखंड सह अंचल कार्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालय की कार्यप्रणाली, कर्मियों की उपस्थिति, अभिलेखों के संधारण तथा आमजनों को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने प्रखंड एवं अंचल कार्यालय में कार्यरत पदाधिकारियों एवं कर्मियों से उनके कार्य दायित्वों की जानकारी ली। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मियों को प्रतिदिन समय पर कार्यालय में उपस्थित होकर आमजनों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर पारदर्शी एवं ईमानदारीपूर्वक निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों को सरकारी कार्यालयों में समय पर एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उपायुक्त ने कार्यालय की उपस्थिति पंजी का अवलोकन करते हुए प्रत्येक कर्मी की उपस्थिति की जांच की। साथ ही कैश बुक सहित विभिन्न अभिलेखों एवं कार्यालयीय अभिलेखों का निरीक्षण कर उनके समुचित संधारण पर बल दिया तथा प्रखंड विकास पदाधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने कार्यालय परिसर एवं विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण कर साफ-सफाई एवं सुव्यवस्थित कार्य वातावरण बनाए रखने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के उपरांत उपायुक्त ने प्रखंड कार्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में कल्याण विभाग द्वारा संचालित उन्नति की पहिया योजना के तहत 97 छात्र-छात्राओं के बीच साइकिल का वितरण किया। उन्होंने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह योजना विद्यार्थियों को विद्यालय आने-जाने में सुविधा प्रदान करने के साथ-साथ उनकी नियमित उपस्थिति एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने में भी सहायक सिद्ध होगी। इस मौके पर संबंधित विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

प्रतापपुर के योगीडीह विद्यालय का जर्जर भवन दे रहा बड़े हादसे को न्योता

चतरा : जिले के प्रतापपुर प्रखंड अंतर्गत योगीडीह उत्क्रमित मध्य विद्यालय का भवन अत्यंत जर्जर स्थिति में पहुँच चुका है। स्थिति इतनी विकराल हो गई है कि विद्यालय के बच्चों, शिक्षकों और रसोइयों में हर वक्त किसी अनहोनी का डर बना रहता है। स्कूल के कमरे क्षतिग्रस्त होने के कारण मासूम बच्चों को मजबूरीवश रसोई घर और कार्यालय कक्ष में बिठाकर पढ़ाया जा रहा है।

बरसात के दिनों में विद्यालय के कमरों और छत से लगातार पानी टपकता है। जर्जर छत के कभी भी ध्वस्त होने की आशंका बनी रहती है। इसी भय के माहौल में रसोइया जान जोखिम में डालकर बच्चों के लिए मध्याह्न भोजन पकाने को मजबूर हैं। रसोई कर्मचारी ने अपना दर्द साझा करते हुए बताया कि खाना बनाते समय हर पल डर लगा रहता है कि कहीं छत का प्लास्टर या कंक्रीट ऊपर से न गिर जाए।वही विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष दिनेश यादव ने शिक्षा विभाग की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने बताया कि विद्यालय भवन की बदहाल स्थिति को लेकर कई बार संबंधित विभागीय अधिकारियों को लिखित आवेदन दिए गए हैं। इसके बावजूद अब तक कोई संज्ञान नहीं लिया गया है और अधिकारी मूकदर्शक बने हुए हैं। विद्यालय के प्रधानाध्यापक श्यामलाल दास ने स्थिति की गंभीरता को रेखांकित करते हुए बताया कि भवन के अभाव में पठन-पाठन की व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। उन्होंने वरीय अधिकारियों से मामले की संवेदनशीलता को समझते हुए जल्द से जल्द नए भवन निर्माण की स्वीकृति देने और सुरक्षा सुनिश्चित करने की गुहार लगाई है।सबसे

बड़ा सवाल यह है कि क्या शिक्षा विभाग किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहे है, या वक्त रहते इन मासूम बच्चों की सुरक्षा के लिए कदम उठाए जाएंगे?

अवैध बालू ले जा रहे चार ट्रैक्टर जब्त

चतराः सिमरिया अंचल अधिकारी (सीओ) गौरव कुमार ने अवैध बालू कारोबार के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए संयुक्त छापेमारी अभियान चलाया। इस दौरान मुरवे के पास अवैध बालू का परिवहन कर रहे चार ट्रैक्टरों को पकड़ा गया। सभी वाहनों को जब्त कर सिमरिया थाना परिसर में सुरक्षित रखा गया है। मामले में अग्रिम कार्रवाई के लिए जिला खनन पदाधिकारी को प्रतिवेदन भेजा जा रहा है। स्थानीय लोगों ने सीओ गौरव कुमार की इस कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि इससे अवैध खनन और बालू तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने में मदद मिलेगी।

रांची में पहली बार होगा 'सखुआ महोत्सव'

हर वार्ड में लगाएं जायेंगे सखुआ के पौधे

संवाददाता

रांची : पर्यावरण संरक्षण, हरित विकास और झारखंड की सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रांची नगर निगम पहली बार 'सखुआ महोत्सव-2026' आयोजित करेगा। अगस्त माह से शुरू होने वाला यह विशेष अभियान अगले कुछ महीनों तक चलेगा। इसके तहत नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न वार्डों, स्कूल-कॉलेजों, पार्कों, सरकारी एवं गैर-सरकारी संस्थानों, धार्मिक स्थलों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर बड़े पैमाने पर सखुआ के पौधे लगाए जाएंगे।

महोत्सव की तैयारियों पर हुई अहम बैठकः महोत्सव की तैयारियों को लेकर सोमवार को रांची नगर निगम सभागार में महापौर रोशनी खलखो की अध्यक्षता में सामाजिक, धार्मिक, शैक्षणिक और स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में वृक्षारोपण स्थलों के चयन, पौधों की सुरक्षा, जनजागरूकता अभियान और नागरिकों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने पर विस्तार से चर्चा की गई।

सिर्फ पौधरोपण नहीं, संरक्षण भी होगी प्राथमिकताः महापौर रोशनी खलखो ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य केवल पौधे लगाना नहीं, बल्कि उनके संरक्षण और संवर्धन को भी सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि सखुआ झारखंड की संस्कृति, परंपरा, प्रकृति और आदिवासी समाज की आस्था का प्रतीक है। इसलिए इसके संरक्षण को जनभागीदारी के माध्यम से जनआंदोलन बनाया जाएगा।

ऐतिहासिक इक्कीसो महादेव मंदिर से होगी शुरूआतः महापौर ने बताया कि सखुआ महोत्सव का शुभारंभ अगस्त में चुटिया स्थित ऐतिहासिक इक्कीसो महादेव मंदिर परिसर से किया जाएगा। इसके बाद शहर के विभिन्न क्षेत्रों में चरणबद्ध तरीके से पौधारोपण अभियान चलाया जाएगा। प्रत्येक पौधे की सुरक्षा के लिए गेबियन लगाए जाएंगे, ताकि पशुओं और अन्य बाहरी नुकसान से पौधों की रक्षा की जा सके। नगर निगम नियमित रूप से पौधों की निगरानी और देखभाल भी करेगा। हर नागरिक की भागीदारी पर रहेगा जोरः उप महापौर नीरज कुमार ने कहा कि सखुआ महोत्सव केवल पौधरोपण कार्यक्रम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, हरित और संतुलित पर्यावरण तैयार करने का व्यापक अभियान है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का दायित्व है।

जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षा रद्द करने व सीबीआई जांच की मांग

29 जुलाई को पदयात्रा व 6 अगस्त को विधानसभा घेराव का ऐलान

संवाददाता

रांचीः झारखंड लोक सेवा आयोग एवं झारखंड कर्मचारी चयन आयोग से जुड़े परीक्षा विवाद लगातार गहराता जा रहा है। अब तक पुलिस प्रशासन द्वारा कुल 10 आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है तथा जांच एजेंसि को कई महत्वपूर्ण विवादित तथ्यों के संबंध में जानकारी मिली है। वहीं छात्र लगातार परीक्षाओं की सीबीआई जांच कराते हुए उन्हें रद्द करने की मांग को लेकर आंदोलनरत हैं।

सोमवार को बापू वाटिका, मोरहाबादी में दिवा-रात्रि सत्याग्रह धरना का तीसरा दिन भी जारी रहा। इस दौरान आज आंदोलन स्थल से जारी प्रेस वार्ता में आंदोलन के अगले चरण की घोषणा की गई।

छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने बताया कि 29 जुलाई को जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम से अल्बर्ट एक्का चौक, रांची तक पदयात्रा निकाली जाएगी। इसके साथ ही मानसून सत्र के पहले दिन 06 अगस्त को झारखंड विधानसभा का घेराव कर सरकार से जेपीएससी एवं जेएसएससी परीक्षाओं की सीबीआई जांच कराने तथा विवादित परीक्षाओं को रद्द करने की मांग की जाएगी। उन्होंने कहा कि जब तक छात्रों को न्याय नहीं मिलता और सरकार उनकी मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लेती, तब तक आंदोलन चरणबद्ध तरीके से जारी रहेगा।

आज के प्रेस वार्ता में विशाल कुमार गौरव, शिल्पी कुमारी, राकेश कुमार, सविता कुमारी, सूर्य प्रकाश कुमार, राजकुमार कश्यप, ममता कुमारी व छात्र एवं अभिभावक मौजूद रहे।

जिला स्तरीय स्टीयरिंग-सह-मॉनिटरिंग समिति की बैठक

पीएम पोषण योजना, विद्यार्थियों की उपस्थिति व स्वास्थ्य सेवाओं की हुई समीक्षा

संवाददाता

चतराः समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त रवि आनंद की अध्यक्षता में सोमवार को जिला स्तरीय स्टीयरिंग-सह-मॉनिटरिंग समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित प्रधानमंत्री पोषण योजना (मध्याह्न भोजन योजना) सहित शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य एवं खाद्य सुरक्षा से संबंधित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए उनके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।बैठक के दौरान विद्यालयों में संचालित प्रधानमंत्री पोषण योजना के क्रियान्वयन, विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति तथा उन्हें उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति की समीक्षा की गई।उपायुक्त ने कहा कि योजनाओं का उद्देश्य तभी सफल होगा, जब पात्र लाभुकों तक समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से सभी सुविधाएं पहुंचें। इसके लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि विद्यालयों में विद्यार्थियों की उपस्थिति बढ़ाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं तथा नियमित अनुश्रवण के माध्यम से योजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए। साथ ही विद्यार्थियों के स्वास्थ्य परीक्षण एवं आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया।बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा करते हुए पात्र लाभुकों तक शत-प्रतिशत लाभ पहुंचाने, विभागीय समन्वय को और सुदृढ़ बनाने तथा योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने पर बल दिया गया। अधिकारियों ने योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं बेहतर परिणाम सुनिश्चित करने के लिए समन्वित प्रयास करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी कंचन कुमारी, जिला शिक्षा अधीक्षक रामजी कुमार, सिविल सर्जन, प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, हंटरगंज तथा राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक मो. इजाजुल हक सहित संबंधित विभागों के पदाधिकारी एवं समिति के सदस्य उपस्थित थे।

धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा छात्रों के सम्मान में लिया गया फैसलाः सुनील सिंह

संवाददाता

रांचीः भाजपा नेता सह राष्ट्र सेवा फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बारे में कहा कि यह निर्णय किसी राजनीतिक दल के दबाव के कारण नहीं लिया गया है, बल्कि छात्रों और युवाओं के हित एवं सम्मान को ध्यान में रखते हुए किया गया है। उन्होंने विपक्ष की उन आरोपों को भी खारिज किया जिनमें दावा किया जा रहा था कि, केंद्र सरकार दबाव में आकर पीछे हटी है। कहा कि धर्मेंद्र प्रधान जी ने अपने इस्तीफे के साथ लिखे गए पत्र में अपनी भावनाओं को व्यक्त किया है, उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार की ओर से लिया गया फैसला छात्रों और युवाओं के प्रति जिम्मेदारी की भावना को दर्शाता है। धर्मेंद्र प्रधान जी के इस्तीफा के बाद विपक्ष की ओर से सरकार पर कई तरह के सवाल उठाए जा रहे हैं, विपक्षी दलों की ओर से यह दावा किया जा रहा है, कि सरकार राजनीतिक दबाव के आगे झुक गई है, और इसी कारण शिक्षा मंत्री को पद छोड़ना पड़ा। श्री सिंह ने कहा कि नीट पेपर लीक का ये पहला मामला नहीं हुआ है, यूपीए सरकार में भी नीट जैसी मुख्य परीक्षा का पेपर लीक जैसे मामले होते आए हैं, पर कभी यूपीए सरकार के मंत्री नैतिकता के आधार पर अपना इस्तीफा नहीं सौंपा है.? परंतु एनडीए सरकार में केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान जी ने नैतिकता के आधार पर छात्रों व युवाओं के सम्मान में अपना इस्तीफा सौंपने का काम किया है। उन्होंने कहा कि मोदी

सरकार की प्राथमिकता राजनीतिक आरोपझ प्रत्यारोप नहीं, बल्कि देश के करोडों युवाओं के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए नए अवसर तैयार करना है। कहा कि सीजेपी तथा कांग्रेस पार्टी समेत समस्त विपक्षी पार्टियों का असली चेहरा उजागर हुआ है, की किस तरह छात्रों को मोहरा बनाकर राष्ट्र विरोधी शक्तियों के साथ मिलकर, सुचारू रूप से चल रही नरेंद्र मोदी जी की सरकार को अस्थिर करने में जुटी हुई थी। कहा कि कांग्रेस समेत समस्त विपक्षी पार्टियां जब चुनाव नहीं जीत पा रही है, तो केंद्र सरकार को अस्थिर करने का षड्यंत्र में जुट गई है। जिसमें उसे कभी कामयाबी नहीं मिलने वाली! सुनील सिंह ने जोर देकर कहा कि झारखंड में जेपीएससी घोटाले के बावजूद संबंधित मंत्री व मुख्यमंत्री मौन साधे बैठे हैं। एक ओर केंद्र की भाजपा सरकार है, जहां छात्रों के विश्वास और पारदर्शिता के लिए केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान जी देश विरोधी ताकतों की मनसूबों पर पानी फिरते हुए छात्रों के हित में, उन्हें कानूनी पचड़े से बचाने को लेकर इस्तीफा देकर नैतिकता का उच्चतम मानदंड स्थापित करते हैं!

सर्पदंश से 14 वर्षीय किशोरी की मौत

संवाददाता

चतरा : जिले के प्रतापपुर थाना क्षेत्र के नावाडीह सिंगारो गांव में आज अहले सुबह सर्पदंश की दर्दनाक घटना में 14 वर्षीय किशोरी की मौत हो गई। मृतका की पहचान काजल कुमारी (14 वर्ष) के रूप में हुई है।जानकारी के अनुसार, आज सुबह काजल कुमारी को जहरीले सांप ने तब डंस लिया जब वह अपने खेत में सब्जी तोड़ रही थी। परिजनों ने बिना देर किए उसे प्रतापपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल, चतरा रेफर कर दिया।सदर अस्पताल में चिकित्सकों द्वारा इलाज शुरू किया गया, लेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद काजल की जान नहीं बचाई जा सकी। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे गांव में शोक का माहौल है।

सात माह से मानदेय नहीं मिलने पर फूटा कर्मियों का गुस्सा

आउटसोर्सिंग कर्मियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू, स्वास्थ्य सेवाओं पर संकट के आसार

संवाददाता

चतरा : जिले के हंटरगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कार्यरत आउटसोर्सिंग कर्मियों का सात माह से लंबित मानदेय आखिरकार आंदोलन की वजह बन गया। कमांडो आउटसोर्सिंग कंपनी द्वारा लगातार मानदेय भुगतान नहीं किए जाने से नाराज कर्मियों ने अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार और हड़ताल शुरू कर दी है। कर्मियों का कहना है कि कई बार संबंधित एजेंसी एवं विभाग का ध्यान इस गंभीर समस्या की ओर आकृष्ट कराया गया, लेकिन आज तक कोई ठोस पहल नहीं की गई। ऐसे में उनके सामने आर्थिक संकट गहराता जा रहा है।मोहम्मद इम्तियाज आलम की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में कर्मियों ने एक स्वर में कहा कि वे पिछले कई वर्षों से स्वास्थ्य विभाग के साथ कंधे से कंधा मिलाकर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं।अस्पताल की सफाई व्यवस्था, सुरक्षा, मरीजों की सहायता सहित विभिन्न कार्यों में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। इसके बावजूद सात माह से मानदेय नहीं मिलने के कारण उनका जीवन संकट में पड़ गया है।कर्मियों ने कहा कि महंगाई के इस दौर में बिना वेतन के परिवार चलाना असंभव हो गया है। घर का किराया, बच्चों की पढ़ाई, राशन, दवा, बिजली बिल और अन्य आवश्यक खर्चों का भुगतान नहीं हो पा रहा है। कई कर्मी कर्ज लेकर परिवार चला रहे हैं, जबकि कुछ के सामने रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करना भी मुश्किल हो गया है। उनका कहना है कि इतनी कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने अब तक धैर्य बनाए रखा, लेकिन

जब बार-बार आश्वासन के बाद भी भुगतान नहीं हुआ तो आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा।बैठक में कर्मियों ने स्पष्ट कहा कि आउटसोर्सिंग के तहत बहाल कर्मचारियों के मानदेय का भुगतान संबंधित एजेंसी कमांडो इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स की जिम्मेदारी है। समय पर भुगतान नहीं होने से कर्मचारियों का मनोबल टूट रहा है। यदि जल्द भुगतान नहीं किया गया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।कर्मियों ने कहा कि वे अपनी मांगों को लेकर किसी प्रकार का टकराव नहीं चाहते, लेकिन सात माह तक वेतन रोककर रखना कर्मचारियों के साथ अन्याय है। उन्होंने संबंधित एजेंसी एवं विभाग से अविलंब लंबित मानदेय का भुगतान कराने की मांग की है ताकि वे पुनः पूरी निष्ठा के साथ अपने कार्यों का निर्वहन कर सकें। अनिश्चितकालीन हड़ताल में कोषाध्यक्ष वरुण सिंह, गौरव सिंह, वीरेंद्र यादव, नीलम कुमारी, अनीता कुमारी, मधु वर्मा, श्रीकांत कुमार, सोना देवी, बबीता देवी, रीता कुमारी, रितु राज सहित बड़ी संख्या में आउटसोर्सिंग कर्मी शामिल रहे।इधर चिकित्सा प्रभारी डॉ. वेद प्रकाश ने बताया कि आउटसोर्सिंग कर्मियों के लंबित मानदेय भुगतान की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने कहा कि एक सप्ताह के भीतर भुगतान होने की संभावना है, जिसके बाद कर्मियों की समस्या का समाधान हो जाएगा।हालांकि, जब तक भुगतान नहीं होता, कर्मियों ने अपना आंदोलन जारी रखने का निर्णय लिया है। ऐसे में यदि जल्द समाधान नहीं निकला तो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

संतुष्टि अपार्टमेंट की नई कार्यकारिणी का गठन, डॉ. तसऊवर संसारी बने अध्यक्ष

गुलाम शाहिद

रांची : संतुष्टि अपार्टमेंट की नई कार्यकारिणी के गठन के लिए आयोजित चुनाव शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। चुनाव के बाद नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई, जिसमें डॉ. तसऊवर संसारी अध्यक्ष, नाहिद सचिव तथा मो. कमर खजांची निर्वाचित हुए। वहीं कार्यकारिणी सदस्य पद पर आबिद हुसैन, तंजीम आलम, तारीख महमूद, डॉ. अनीश हैदर और शेख आसिम ने जीत दर्ज की। चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद अपार्टमेंट के निवासियों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों और सदस्यों को बधाई दी तथा उनसे अपार्टमेंट के विकास, बेहतर प्रबंधन और निवासियों की सुविधाओं को प्राथमिकता देने की अपेक्षा जताई।

नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने सभी मतदाताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे सभी निवासियों के सहयोग से पारदर्शी और बेहतर कार्यप्रणाली के साथ अपार्टमेंट के विकास एवं समस्याओं के समाधान के लिए कार्य करेंगे।

रांची में 166 घरों की जांच, 29 में मिले डेंगू के लार्वा

रांची: राजधानी रांची में मॉनसून के दौरान डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, कालाजार सहित मच्छरों से होनेवाली बीमारियों से बचाव को लेकर रांची शहरी क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में डेंगू सर्विलांस अभियान चलाया गया। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने घर-घर जाकर संभावित मरीजों की पहचान, बुखार से पीड़ित लोगों की जानकारी एकत्रित करने के साथ मच्छरों के प्रजनन स्थलों की जांच की। कूलर, गमले, टंकी और कबाड़ में जमा बर्तनों के अंदर एडीज मच्छर का लार्वा तलाशा गया। वार्ड संख्या 21, 22 व 23 में 76 घरों की जांच के दौरान 16 घरों में डेंगू के लार्वा पाये गये। यहां 680 बर्तनों की जांच में 25 बर्तनों में लार्वा मिले। वहीं वार्ड संख्या 05, 16, 27 व 28 में 90 घरों की जांच की गयी। यहां 13 घरों में लार्वा मिले। 566 बर्तनों की जांच में 13 बर्तनों में लार्वा पाये गये। यह अभियान हर दिन शहर के सात अलग-अलग वार्डों में चलाया जा रहा है।

सर्विलांस टीम का लोगों से ड्राइ-डे मनाने की अपीलः सर्विलांस के दौरान टीम ने कूलर, पानी की टंकियों, गमलों, टायरों और अन्य जल जमाव वाले स्थानों का निरीक्षण किया। लोगों को डेंगू से बचाव को लेकर जागरूक किया गया। घरों और आसपास स्वच्छता बनाये रखने, सप्ताह में एक दिन सूखा दिवस (ड्राइ-डे) मनाने तथा पानी जमा नहीं होने देने की सलाह दी गयी। मच्छरदानी और मच्छररोधी उपाय से रुकेगी बीमारीः बीमार व्यक्ति को तेज बुखार, सिरदर्द, शरीर में दर्द, आंखों के पीछे दर्द या त्वचा पर लाल चकत्ते जैसे लक्षण दिखाई दे, तो तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सकीय परामर्श लें। साथ ही, पूरी आस्तीन के कपड़े पहनने, मच्छरदानी और मच्छररोधी उपायों का नियमित उपयोग करने की भी सलाह दी गयी।

जेपीएससी भर्ती प्रक्रियाओं में अनियमितताओं के विरोध में युवा आजसू - छात्र आजसू का 30 को लोकभवन मार्च

रांची: जेपीएससी भर्ती प्रक्रियाओं में कथित अनियमितताओं, छात्रवृत्ति भुगतान में देरी और राज्य की बदहाल शिक्षा व्यवस्था के विरोध में युवा आजसू और छात्र आजसू 30 जुलाई को रांची में लोकभवन मार्च करेंगे। संगठन का दावा है कि इस मार्च में बड़ी संख्या में छात्र-युवा शामिल होकर सरकार के समक्ष अपनी मांगें रखेंगे। संगठन के अनुसार राज्य गठन के 25 वर्ष बाद भी युवा रोजगार, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के लिए संघर्ष कर रहे हैं। प्रेस विज्ञप्ति में आरोप लगाया गया है कि भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताएं, प्रश्नपत्र लीक, परीक्षा रद्द होने, परिणामों में देरी और नियुक्ति प्रक्रिया की सुस्ती से अभ्यर्थियों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। युवा आजसू और छात्र आजसू ने कहा कि खरऊ एवं खढरउ की भर्ती प्रक्रियाओं को समयबद्ध और पारदर्शी बनाया जाए। साथ ही सभी लंबित नियुक्तियां जल्द पूरी करने, नियमित परीक्षा कैलेंडर जारी करने, कथित परीक्षा धांधली की निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की गई है। संगठन ने छात्रवृत्ति के समय पर भुगतान, स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में शिक्षकों के रिक्त पद भरने तथा राज्य की शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार की भी मांग की है। प्रेस विज्ञप्ति में राज्य के छात्र-युवाओं, अभिभावकों, शिक्षकों और सामाजिक संगठनों से 30 जुलाई को आयोजित लोकभवन मार्च में शामिल होकर शिक्षा और रोजगार से जुड़े मुद्दों पर आवाज बुलंद करने की अपील की गई है।

रांची स्मार्ट सिटी के विकास के लिए 20 करोड़ मंजूर ट्रैफिक, स्ट्रीट लाइट व कमांड सेंटर पर होगा खर्च

संवाददाता

रांचीः झारखंड सरकार ने रांची स्मार्ट सिटी के विकास और रखरखाव के लिए 20 करोड़ मंजूर किए हैं। नगर विकास एवं आवास विभाग ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए यह राशि स्वीकृत की है। इस संबंध में विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने 23 जुलाई को आदेश जारी किया है। यह राशि टीएसपी प्रक्षेत्र के तहत स्मार्ट सिटी के लिए निर्धारित 60 करोड़ रुपये के बजट में से दी गई है।

सरकार ने इस राशि का उपयोग तीन प्रमुख कार्यों के लिए तय किया है। इनमें स्ट्रीट लाइट और ट्रैफिक सिग्नल का संचालन, स्मार्ट सिटी के इन्फ्रास्ट्रक्चर से जुड़े भुगतान और कमांड कंट्रोल एंड कम्युनिकेशन सेंटर का संचालन शामिल है।

स्ट्रीट लाइट और ट्रैफिक सिग्नल के लिए 2 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। इस राशि से रांची स्मार्ट सिटी के 647।08 एकड़ में फैले एरिया बेस्ड डेवलपमेंट क्षेत्र में लगी स्ट्रीट लाइट का संचालन किया जाएगा। साथ ही शहर के अलग-अलग चौराहों पर लगे ट्रैफिक सिग्नल और सर्विलांस कैमरों के बिजली बिल का भुगतान भी इसी राशि से किया जाएगा।

इंटीग्रेटेड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट वर्क के लिए 8 करोड़ रुपये दिए गए हैं। यह राशि मेसर्स लार्सन एंड टुब्रो को भुगतान की जाएगी। सरकार के अनुसार, यह भुगतान जीएसटी दरों में बढ़ोतरी के कारण हुई अतिरिक्त लागत की भरपाई के लिए किया जाएगा। यह भुगतान कॉन्ट्रैक्ट एग्रीमेंट के प्रावधानों के अनुसार होगा।

सबसे अधिक 10 करोड़ रुपये कमांड कंट्रोल एंड कम्युनिकेशन सेंटर के संचालन और रखरखाव के लिए मंजूर किए गए हैं। यह सेंटर रांची स्मार्ट सिटी कॉर्पोरेशन लिमिटेड के जुपमी भवन में संचालित होता है। सरकार ने आदेश में कहा है कि इस परियोजना के लिए केंद्र और राज्य सरकार का अनुदान फरवरी 2026 तक ही मान्य था। इसके बाद होने वाला पूरा खर्च अब राज्य सरकार उठाएगी।

सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि यह राशि टाइड ग्रांट के रूप में दी जा रही है। इसे रांची स्मार्ट सिटी कॉर्पोरेशन लिमिटेड के एचडीएफसी बैंक, शहीद चौक शाखा के खाते में भेजा जाएगा। विभाग ने खर्च को लेकर कई शर्तें भी तय की हैं। सभी राशि का उपयोग सामान्य वित्तीय नियम 2017 के अनुसार ही किया जाएगा। जिस उद्देश्य के लिए राशि स्वीकृत की गई है, उसका उपयोग केवल उसी काम में किया जा सकेगा। इसके अलावा इस राशि का इस्तेमाल स्मार्ट सिटी की एसपीवी के गठन या निगम के किसी आंतरिक प्रशासनिक कार्य के लिए नहीं किया जा सकेगा।

भगवामय हुआ बाजार, हरी हुई कलाइयां, कांवड़ियों के भगवा वस्त्र और महिलाओं के श्रृंगार की बढ़ी खरीदारी

संवाददाता

रांचीः भगवान भोलेनाथ का मास 'सावन' 30 जुलाई से शुरू हो रहा है। शिवालयों में जहां रंग-रोगन और साज-सज्जा से देवघर जैसा दिव्य माहौल बनने लगा है, वहीं शहर के प्रमुख बाजार भी आस्था के चटख रंगों से खिल उठे है। बाजारों में एक तरफ जहां देवघर जाने वाले कांवडियों की चहल-पहल से भगता वस्त्रों की बहार है, वहीं दूसरी तरफ महिलाओं के बीच हरी चूड़ियों और सोलह श्रृंगार की जबरदस्त खरीदारी चल रही है। बेलपत्र, धतूरा, गंगाजल, अगरबत्ती, धूप, कपूर, रूदाक्ष, पूजा वाली और शिवलिंग की माग बढ़ने लगी है। अब बदलते दौर में सावन की पूजा भी 'स्मार्ट' हो गई है। पारंपरिक दुकानों के साथ ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर भी बेलपत्र से लेकर सपूर्ण पूजन सामग्री 10 से 15 मिनट में पहुंचाई जा रही है।

स्लोगन लिखे कॉटन कुर्ते का नया फैशनः भगवा टी-शर्ट 200 से 600 तक की रेंज में उपलब्ध है, जो कॉटन और सिंथेटिक दोनों फैब्रिक में मिल रही है। भगवा कुर्ता-पायजामा 350 से 900 तक में उपलब्ध है, हाफ शर्ट 250 से शुरू है जबकि हाफ पेंट 350 से शुरू है। स्लोगन लिखे कॉटन कुर्ते की कीमत 250 से 450 तक है। गमछा 50 से 150 और झोला 80 से 200 तक में बिक रहा है।

बनारस से शिवलिंग तो जयपुर से मंगाए नंदीः पूजा सामग्री की दुकानों में भी सावन को लेकर विशेष तैयारी की गई है। पूजा सामग्री के अलावा शिवलिंग और नंदी की प्रतिमाएं भी मंगाई गई हैं। ये प्रतिमाएं पत्थर और मार्बल की हैं। शिवलिंग बनारस और नंदी जयपुर से मंगाए गए हैं। पत्थर के एक से पांच इंच के शिवलिंग 75 से 550 रुपये तक की रेंज में उपलब्ध हैं। वहीं, काइट मार्बल के एक से पांच इंच के शिवलिंग 150 से 750 रुपये तक में बिक रहे हैं। डोरंडा के एक पूजा दुकान संचालक ने बताया कि सावन को लेकर शिवलिंग और नंदी विशेष रूप से मंगाए गए हैं। पत्थर के नंदी 50 से 300 तक में उपलब्ध हैं। इन्हें बनारस और जयपुर से खास सावन के लिए मंगाया गया है।

घुंघरू वाली चूड़ियां और भगवा टी-शर्ट का 'सावन ट्रेंड': सावन को लेकर कॉस्मेटिक दुकानों से लेकर चूड़ियों की दुकानों तक महिलाओं की भीड़ बढ़ने लगी है। लेटेस्ट ट्रेड में घुंघरू वाली चूड़ियां सबसे अधिक पसंद की जा रही है। अपर बाजार के एक चूड़ी विक्रेता ने बताया कि धुंधरू वाली मेटल चूड़ी के साथ प्लेन हरी चूड़ियों की डिमांड अधिक है। हरी प्लेन चूड़ियों के साथ धुंधरू वाली मेटल चूड़ी का सेंट बनवाकर खरीद रही है। घुंघरू वाली मेटल चूड़ी 100 रुपये प्रति डिब्बा है। प्लेन चूड़ियां 40 से 60 रुपये तक। दो पौस बाला और चार से आठ पीस वाली हरी चूड़ियों के डिब्बे 80 से 250 तक में बिक रहे हैं। 10 मिनट में बेलपत्र सावन पूजा भी 'स्मार्ट'3 सावन को लेकर बाजार के साथ ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर भी तैयारी पूरी है। विभिन्न ऑनलाइन साइट पर बेलपत्र, अगरबती, धूप, कपूर, रुई की बाती, घी, शहद, फूल, नारियल काल, दूध, दही, गंगाजल, पूजा थाली, कलश, धतूरा, पान का पत्ता सहित अन्य पूजन सामग्री आसानी से उपलब्ध है। ऑर्डर करने पर यह सामग्री 10 से 15 मिनट में घर तक पहुंचायी जा रही है।

डोरंडा थाना प्रभारी से मिला कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल, कानून-व्यवस्था पर हुई चर्चा

गुलाम शाहिद

रांची : डोरंडा प्रखंड कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ओवैस अंसारी के नेतृत्व में सोमवार को एक प्रतिनिधिमंडल ने नवपदस्थापित डोरंडा थाना प्रभारी अभिनंदन कुमार से शिष्टाचार मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने अंगवस्त्र ओढ़ाकर, पुष्पगुच्छ भेंट कर तथा मिठाई खिलाकर उनका स्वागत किया और नए दायित्व के लिए शुभकामनाएं दीं।

मुलाकात के दौरान डोरंडा क्षेत्र में शांति, सौहार्द और बेहतर कानून-व्यवस्था बनाए रखने को लेकर सकारात्मक चर्चा हुई। कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस प्रशासन को क्षेत्र में अमन-चैन कायम रखने और असामाजिक तत्वों पर प्रभावी कार्रवाई के लिए हरसंभव जनसहयोग का भरोसा दिलाया। थाना प्रभारी अभिनंदन कुमार ने कहा कि आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करना और क्षेत्र में कानून का राज स्थापित करना उनकी पहली प्राथमिकता है। उन्होंने नागरिकों से पुलिस का सहयोग करने और किसी भी आपराधिक गतिविधि की सूचना तत्काल देने की अपील की। इस अवसर पर डोरंडा प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष ओवैस अंसारी के साथ वार्ड संख्या 48 के पार्षद अमित मिंज भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में कांग्रेस कमेटी के कई पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं स्थानीय लोग भी उपस्थित थे।

मोटिया मजदूर संघ ने मनाया स्थापना दिवस, तपन रजवार बने केंद्रीय अध्यक्ष

मेट्रो रेज

रांचीः हरमू स्थित सहजानंद चौक के समीप मोटिया संघ के मजदूरों ने स्थापना दिवस मनाया। इसमें राज्य भर के पदाधिकारी शामिल हुए। इस मौके पर नई कार्यकारिणी का गठन किया गया, जहां तपन रजवार को दोबारा केंद्रीय अध्यक्ष बनाया गया। मजदूरों ने उन्हें माला पहनाकर स्वागत किया और संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

बैठक में जिला अध्यक्षों एवं मजदूर प्रतिनिधियों की सहमति से संगठन का विस्तार किया गया और मजदूरों की समस्याओं को लेकर आगे की रणनीति पर चर्चा की गई। इसके बाद विभिन्न लंबित मांगों को लेकर सैनिक चौक से अल्बर्ट एक्का चौक तक पैदल मार्च निकाला गया। इसके बाद खाद्य आपूर्ति मंत्री और विभागीय सचिव के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन किया गया।

इस मौके पर तपन कुमार रजवार ने कहा कि राज्यभर में करीब 10 हजार मजदूर है, जहां रांची में 250 से अधिक मोटिया मजदूर है। स्थापना दिवस में संगठन ने अपनी मांगों में ठेकेदारों को ईपीएफ का भुगतान सुनिश्चित किए बिना भुगतान नहीं करने, राज्य सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम मजदूरी का भुगतान कराने, सभी मजदूरों को सामाजिक सुरक्षा योजना में शामिल करने, स्वास्थ्य बीमा की सुविधा उपलब्ध कराने और कुछ परियोजनाओं को वापस लेने की मांग उठाई गई। मौके पर पलामू के जिला अध्यक्ष मुकेश कुमार, लातेहार के जिला अध्यक्ष सिकंदर भुईंगा, गढ़वा के इदरिश अंसारी, गिरिडीह के कलीम अंसारी एवं नरेश साव, दुमका के सुशील बास्के, सूरज नायक, बिरेंद्र साव, कोडरमा के दीता राम तुरी सहित विभिन्न जिलों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मुकेश की जयंती पर सजे सुरों के रंग कलाकारों ने दी संगीतमय श्रद्धांजलि

मेट्रो रेज

रांचीः केकेवीएम कला संस्कृति प्रकोष्ठ की ओर से अपर बाजार स्थित राष्ट्रीय सचिव प्रमोद श्रीवास्तव के प्रांगण में महान पार्श्वगायक मुकेश की जयंती धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन पराग भूषण के नेतृत्व में हुआ, जिसमें शहर के कई कलाकारों और संगीत प्रेमियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत मुकेश के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इसके बाद कलाकारों ने मुकेश के सदाबहार गीत प्रस्तुत कर उन्हें संगीतमय श्रद्धांजलि दी। कहीं दूर जब दिन ढल जाए, जीना यहां मरना यहां और अन्य लोकप्रिय गीतों की प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को भावुक कर दिया। उपस्थित लोगों ने मुकेश के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनकी आवाज आज भी संगीत प्रेमियों के दिलों में जीवित है। आयोजकों ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम नई पीढ़ी को भारतीय फिल्म संगीत की समृद्ध विरासत से जोड़ने का माध्यम हैं। समारोह में सभी कलाकारों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया तथा अंत में मुकेश के व्यक्तित्व और कृतित्व को नमन करते हुए कार्यक्रम का समापन हुआ। इस मौके पर मीना बख्शी, सीमा प्रीति, रीता चंद्रा, श्रृंखला खरे, इंजीनियर शशी कुमार सिन्हा, संजय परासर, निर्भय कुमार सिन्हा, आकाश चंद्रा, राजकुमार सिन्हा, विजय खरे, पराग भूषण, राजेश श्रीवास्तव, अभय बख्शी, राजीव सहाय, चंद्रमोहन, निगार सुल्ताना, सुशीला जी, आबिद खान आदि मौजूद थे।

अशोक नगर चोरी मामला

60 लाख रुपए के जेवरात के साथ एक और आरोपी गिरफ्तार

मेट्रो रेज

रांचीः हाई-प्रोफाइल अशोक नगर चोरी मामले में रांची पुलिस को सफलता हाथ लगी है। एसएसपी राकेश रंजन के निर्देश पर सिटी एसपी पारस राणा के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए इस घटना में शामिल एक और आरोपी को 60 लाख रुपए के जेवरात के साथ गिरफ्तार किया है, वही इस पूरे मामले में पुलिस ने अब तक एक करोड़ से अधिक के जेवरात बरामद किए हैं और तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। आमतौर पर देखा जाता है कि पुलिस किसी भी कांड में एक दो आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद मामले का अनुसंधान को बंद कर देती है, लेकिन इस मामले में रांची पुलिस इस घटना में शामिल अंतिम आरोपियों तक पहुंचने में सफल रही।

9 जुलाई को हुई थी दो घरों में चोरीः पुलिस के अनुसार, 9 जुलाई 2026 को अरगोड़ा थाना क्षेत्र के अशोक नगर निवासी निशित केसरी और अखिलेश पांडेय के घरों में चोरी की बड़ी घटना हुई थी। इस मामले में अरगोड़ा थाना कांड संख्या 172/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए रांची के एसएसपी के निर्देश पर सिटी एसपी के मार्गदर्शन में वरीय पुलिस उपाधीक्षक (हटिया) के नेतृत्व में विशेष एसआईटी का गठन किया गया था।

सीसीटीवी और डिजिटल साक्ष्यों से मिला सुरागः जांच के दौरान एसआईटी ने घटनास्थल और आसपास के इलाकों के सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्यों और अन्य डिजिटल इनपुट का विश्लेषण किया। इसके आधार पर पुलिस ने चोरी में शामिल संदिग्धों की पहचान की और विभिन्न राज्यों में छापेमारी शुरू की। कार्रवाई के दौरान कोलकाता से चोरी में इस्तेमाल की गई नीले रंग की जगुआर कार (यूपी78ईईएम 0101) बरामद की गई। इसके साथ ही चोरी गए कुछ सोने के आभूषण और 17 लाख 36 हजार 200 रुपये नकद भी बरामद किए गए।

अंतरराज्यीय गिरोह के तीन मुख्य आरोपी चिन्हितः पुलिस ने इस मामले में कुख्यात अंतरराज्यीय चोर गिरोह के तीन मुख्य सदस्यों की पहचान की है। इनमें इरफान उर्फ उजाले उर्फ बाबा उर्फ आर्यन, अफरोज उर्फ समीर उर्फ समीम और नवीन शर्मा शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, गिरोह के मुख्य आरोपी फिलहाल फरार हैं और उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। जांच के दौरान पुलिस ने मुख्य आरोपी इरफान और अफरोज के घरों में भी छापेमारी की। वहां से उनकी पत्नियों के कब्जे से चोरी के कुछ गहने और नकदी बरामद हुई। इसके बाद पुलिस ने बिहार के सीतामढ़ी की गुलशन प्रवीण पत्नी इरफान और दिल्ली के बवाना की शकीला उर्फ लाडली पत्नी अफरोज को गिरफ्तार कर लिया। दोनों से पूछताछ कर चोरी के नेटवर्क और अन्य सहयोगियों की जानकारी जुटाई जा रही है।

80 से अधिक मामलों में वांछित है मुख्य आरोपीः अनुसंधान के दौरान पुलिस को पता चला कि गिरोह का सरगना मो। इरफान देश के कई राज्यों में सक्रिय रहा है। उसके खिलाफ करीब 80 आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार, इरफान पर कानपुर, आगरा, दिल्ली, गाजियाबाद, गोवा, बेंगलुरु, सूरत, हैदराबाद, छत्तीसगढ़, पुणे, केरल, सीतामढ़ी और जालंधर सहित कई शहरों में चोरी की घटनाओं को अंजाम देने के आरोप हैं। उसका आपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है।

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, राँची पूर्व, राँची

अति अल्पकालिन निविदा सूचना –28/2026–27

1) विभाग का नाम : पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखण्ड, राँची ।
2) विज्ञापन दाता का नाम : कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, राँची पूर्व राँची।
3) परिमाण विपत्र की बिक्री की अंतिम तिथि एवं समय : 3.8.2026 अपराह्न 5 बजे तक ।
4) निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय : 4.8.2026 अपराह्न 3:30 बजे तक ।
5) निविदा खोलने की तिथि एवं समय : 4.8.2026 अपराह्न 4 बजे ।
6) परिमाण विपत्र की बिक्री का स्थान : 1) कार्यपालक अभियंता, का कार्यालय,पेयजल एव स्वच्छता प्रमंडल, राँची पूर्व, राँची। 2) अधीक्षण अभियन्ता, का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता, राँची अंचल, राँची ।
7) निविदा प्राप्ति का स्थान : 1) कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, राँची पूर्व, राँची।
8) कार्य विवरणी :

क्र०	कार्य का नाम	प्रा० राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि (रु० में)	परिमाण वि० का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
1	Seepage repair & Renovation of 4 nos. of Toilet and bathroom, Improvement of W/S and sanitary fittings & Sewerage Work at Ground floor of L.S. Type staff's quarter Block (A) C.I.A.T, Padma, Hazaribagh, Ranchi under D.W..& S. Division Ranchi East, Ranchi.	1105192.00	22200.00	2500.00	30 Days
2	Seepage repair & Renovation of 4 nos. of Toilet and bathroom, Improvement of W/S and sanitary fittings & Sewerage Work at First floor of L.S. Type staff's quarter Block (A) C.I.A.T, Padma, Hazaribagh, Ranchi under D.W..& S. Division Ranchi East, Ranchi.	1110071.00	22300.00	2500.00	30 Days
3	Seepage repair & Renovation of 4 nos. of Toilet and bathroom, Improvement of W/S and sanitary fittings & Sewerage Work at Second floor of L.S. Type staff's quarter Block (A) C.I.A.T, Padma, Hazaribagh, Ranchi under D.W..& S. Division Ranchi East, Ranchi.	1115293.00	22400.00	2500.00	30 Days

आवश्यक शर्तों के लिए देखें www.jharkhand.gov.in
Email ID- eedwsd.ranchieast@gmail.com

कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्व० प्र० राँची पूर्व राँची

PR 385959 Drinking Water and Sanitation(26-27)#D

सूक्ति

सबसे प्रेम करो, कुछ पर विश्वास करो
अन्याय किसी के साथ मत करो : शेक्सपियर

पौष्टिकता का सवाल और नीतिगत प्राथमिकता क्रम

संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन, अंतरराष्ट्रीय कृषि विकास कोष, यूनिसेफ और विश्व स्वास्थ्य संगठन की ओर से जारी 'स्टेट ऑफ फूड सिक्योरिटी एंड न्यूट्रिशन इन द वर्ल्ड-2026' रिपोर्ट हमारे सामाजिक व आर्थिक ढांचे को लेकर तीखे सवाल उठा रही है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 52 करोड़ लोग संतुलित और पौष्टिक आहार से पूरी तरह वंचित हैं। यह संख्या भारत की कुल आबादी का करीब एक तिहाई है। ऐसे समय जब हम दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शुमार हो रहे हैं, यह रिपोर्ट देश की विकास प्रक्रिया पर चेतावनी है। यह स्थिति तब है जब सरकार 80 करोड़ से ज्यादा लोगों को मुफ्त अनाज उपलब्ध करा रही है। इसमें शक नहीं कि मुफ्त या सस्ता अनाज उपलब्ध कराने के सरकारी प्रयासों ने भुखमरी के संकट को टालने में मदद की है, लेकिन क्या इसे ही संतोषजनक माना जा सकता है? संतुलित आहार के अभाव में देश की एक बड़ी आबादी समय पूर्व बूढ़ी हो रही है या पोषक तत्वों की कमी से होने वाली बीमारियों के जाल में फंसकर आर्थिक रूप से और बदहाल हो रही है। इस रिपोर्ट को भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद और राष्ट्रीय पोषण संस्थान द्वारा तैयार एक दूसरी रिपोर्ट के साथ पढ़ा जाए तो देश की आहार सुरक्षा के समक्ष उत्पन्न बड़े खतरे को समझने में आसानी होगी। इस रिपोर्ट के अनुसार, देश में जंक फूड की बिक्री 2009 से 2023 के बीच 150 फीसदी बढ़ गई है। जंक फूड कंपनियां खासतौर पर बच्चों को ध्यान में रखकर अपनी मार्केटिंग रणनीति बनाती हैं और स्कूल-कॉलेजों के आसपास अपने आउटलेट खोलती हैं। जंक फूड के कारण बच्चों में मोटापा, डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और हृदय रोग तेजी से फैल रहे हैं। यह विडंबना ही कही जाएगी कि एक तरफ आर्थिक बदहाली की शिकार एक बड़ी आबादी इसलिए कुपोषण की शिकार है कि वह पौष्टिक भोजन का खर्च वहन नहीं कर सकती तो दूसरी बड़ी आबादी ऐसी भी है जो समृद्धि के कारण ऊल-जलूल कुछ भी खरीदकर खाते हुए कुपोषित हो रही है। आर्थिक समृद्धि का पैमाना सिर्फ जीडीपी विकास दर या चमचमाते एक्सप्रेस-वे या ऊंची-ऊंची इमारतों को मानना भारी भूल है। सही मायने में स्वस्थ जीवन को ही विकास का पैमाना समझना चाहिए। अंतिम व्यक्ति की थाली तक पौष्टिक आहार पहुंचाकर ही हम खुशहाल देश की कल्पना कर सकते हैं। हालांकि, सरकार को दो दशकों में कुपोषण कम करने में 42 फीसदी सफलता मिली है। पिछले छह वर्षों में कुपोषण में 29 फीसदी कमी भी आई है। लेकिन यही काफी नहीं। अंतिम पायदान वाले परिवारों की आर्थिक सेहत सुधारने और शुरूआती पायदान वाले परिवारों के खानपान में अनुशासन और समझ लाकर ही हम देश का भविष्य सुरक्षित बना सकते हैं। इसके लिए नीति निमार्ताओं को अपनी प्राथमिकताओं का क्रम बदलना होगा।

ग्रामीण भारत में बढ़ाने होंगे गैर-कृषि रोजगार के अवसर

ग्रामीण परिवारों की आय को लेकर नाबार्ड के ताजा सर्वे के आंकड़े खासतौर से ग्रामीण भारत की सेहत को लेकर चिंता बढ़ाने वाले हैं। नाबार्ड का यह सर्वे २९ राज्यों के बीस हजार ग्रामीण परिवारों पर आधारित भले ही हो लेकिन ग्रामीण भारत की आर्थिक सेहत की चौंकाने वाली तस्वीर पेश करता है। सर्वे में कहा गया है कि ग्रामीण परिवारों की आय में सुधार की रफ्तार पिछले दो वर्षों के सबसे कमजोर स्तर पर पहुंच गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में आय बढ़ने की बात कहने वाले परिवारों की हिस्सेदारी महज 27.7 फीसदी ही है। चिंता इस बात की भी कि आय में गिरावट या यथास्थिति के बावजूद परिवारों का खर्च कम नहीं हो रहा। म्महंगाई से दोहरी मार पड़ी है। नतीजतन उधारी से काम चलाने की मजबूरी हो रही है।

यह उधारी भी अनौपचारिक कर्ज के रूप में है जो वित्तीय संस्थानों के बजाय दोस्तों व रिश्तेदारों से ली जा रही है। अनौपचारिक कर्ज पर निर्भरता रेकॉर्ड स्तर पर पहुंचना ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर बढ़ते दबाव का सूचक है। देखा जाए तो भारतीय ग्रामीण अर्थव्यवस्था मौजूदा दौर में दोहरी चुनौती का सामना कर रही है। एक तरफ दक्षिण-पश्चिम मानसून के इस बार कमजोर रहने के संकेत मिल रहे हैं वहीं दूसरी ओर वैश्विक युद्ध के परिदृश्य के कारण कृषि आदानों की लागत भी बढ़ रही है। मानसून समय पर नहीं पहुंचने से कृषि क्षेत्र पर सदैव दबाव बढ़ता है। चिंता इस बात की भी है कि यदि मानसून कमजोर रहा तो फसलों के उत्पादन पर भी इसका असर पढ़ना तय है। सीधे-सीधे यह चक्र अंततः किसानों की आय को ही प्रभावित करने वाला होगा। वहीं खाद्य वस्तुओं की पहले से ही बढ़ती कीमतों में और इजाफा हो सकता है। महंगाई का असर ग्रामीण क्षेत्र में कृषि आधारित उत्पादों की मांग पर भी पड़ेगा। चिंता की बात यह है कि ग्रामीण परिवारों की अब आय नहीं बल्कि कर्ज बढ़ता जा रहा है। रोजगार के अवसर और आय समान रूप से बढ़े तो एक हद तक ठीक रहता है लेकिन आय में वृद्धि की रफ्तार कमजोर हो और रोजमर्रा का खर्च बढ़ता जाए तो निवेश की तो सोच संभव ही नहीं है। कृषि क्षेत्र पर अत्यधिक निर्भरता भी आय के अवसरों में कमी लाने वाली रहती आई है। शहरी क्षेत्रों में भी महंगाई की वजह से फिर से ग्रामीण क्षेत्र में आने वालों की संख्या बढ़ती है तो कृषि पर ही निर्भरता रखना काफी नहीं होगा। जाहिर है ग्रामीण क्षेत्रों में गैर-कृषि क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ाने होंगे। आय बढ़ने की रफ्तार इसी तरह से कम रही तो कर्ज का बोझ भी बढ़ना तय है। सर्वे के तथ्य ग्रामीण उपभोग, बचत और निवेश पर दबाव डालने वाले नीति-निमार्ताओं के लिए गंभीर संकेत है। सच तो यह है कि ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार भी तभी फलदायी होगा जब ग्रामीण परिवारों की आय को बढ़ाने के प्रयास किए जाएं। समय पर ध्यान नहीं दिया तो शहरी अर्थव्यवस्था भी चपेट में आ सकती है।

जनता की स्मृतियों में जिंदा हैं जिम कॉर्बेट

> इसके इतर वे गरीबों के प्रति अत्यधिक उदार और मानवीय गुणों से भरे संवेदनशील भलमानुष भी थे। उन्होंने अनेक बार स्वयं के जीवन को गंभीर संकट में डालकर मानव जीवन की रक्षा की।

प्रयाग पाण्डे

प्रकृति के सजग चितेरे, वन्यजीव विज्ञानी, शिकार कथाओं के लेखक और प्रसिद्ध शिकारी जेम्स एडवर्ड कॉर्बेट यानी जिम कॉर्बेट का 25 जुलाई को 151वाँ जन्मदिन है। जिम कॉर्बेट भले ही शारीरिक रूप से अब दुनिया में नहीं हैं। उन्होंने 79 वर्ष पहले भारत को अलविदा कह दिया था। 71 वर्ष पूर्व उनकी आत्मा अनंत में विलीन हो चुकी है। इसके बावजूद अपनी नेकदिली और भलमनसाहत के चलते जिम कॉर्बेट भारत के सामाजिक जीवन का अटूट हिस्सा बने हुए हैं। जिम कॉर्बेट को मानवीय गुणों से सुसंपन्न, भारत एवं भारत के गरीबों के आत्मीय दोस्त और शुभचिंतक के रूप में आज भी याद किया जाता है। जिन लोगों ने जिम कॉर्बेट को कभी देखा नहीं, वे भी गरीबों से अगाध प्रेम करने वाले नेक दिल इंसान के रूप में जिम के प्रति श्रद्धा रखते हैं, प्रतिवर्ष उनका जन्मदिन और पुण्यतिथि मनाते हैं। जिम की उदारता के लिए उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हैं।

जेम्स एडवर्ड कॉर्बेट के पुरखे मूलतः आयरिश नागरिक थे। कॉर्बेट का कुटुंब तीन पीढ़ियों तक भारत में रहा। जिम कॉर्बेट का जन्म 25 जुलाई,1875 को नैनीताल में हुआ था। इस दृष्टि से वे जन्म से भारतीय थे। संस्कारों से भी। जिम के पिता का नाम क्रिस्टोफर विलियम कॉर्बेट था। वे नैनीताल के हेड पोस्ट ऑफिस में पोस्ट मास्टर थे। उनकी माँ का नाम मैरी जेन कॉर्बेट था।

जिम, क्रिस्टोफर विलियम कॉर्बेट और मैरी जेन की आठवीं, क्रिस्टोफर विलियम कॉर्बेट की ग्यारहवीं जबकि मैरी जेन की बारहवीं संतान थे।

जिम कॉर्बेट की ख्याति एक कुशल शिकारी और शिकार कथाओं के रूप में है, लेकिन यह उनके व्यक्तित्व का अधूरा पक्ष है। वे अचूक निशानेबाज तो थे ही, इसी से उन्हें अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली। इसके इतर वे गरीबों के प्रति अत्यधिक उदार और मानवीय गुणों से भरे संवेदनशील भलमानुष भी थे। उन्होंने अनेक बार स्वयं के जीवन को गंभीर संकट में डालकर मानव जीवन की रक्षा की। गरीबों के हितों की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहे। इसी भलमनसाहत के चलते जिम कॉर्बेट के जन्म से ईसाई होने के बावजूद उत्तराखंड की धर्मभीरू जनता ने उन्हे 'गोरा साधु' की संज्ञा दी थी।

जिम कॉर्बेट ने स्वयं संघर्षपूर्ण जीवन जिया। व्यक्तिगत जीवन में अनेक संकट झेले, लेकिन जनता के व्यापक हित में अपने निजी और पारिवारिक कष्टों को नजरअंदाज कर दिया। जिम कॉर्बेट ने करीब डेढ़ हजार लोगों को मारने के लिए जिम्मेदार दर्जन भर से अधिक खूंखार नरभक्षियों का अत्यंत साहस और बहादुरी के साथ मुकाबला किया। अपने प्राणों की परवाह किए बिना नरभक्षियों से लड़े। जिन आदमखोरों के सामने देश- विदेश के अनेक नामचीन निशानेबाजों ने हथियार डाल दिए थे, जिम कॉर्बेट ने अकेले उनका खात्मा कर उत्तराखंड के निवासियों को नरभक्षियों के आतंक से मुक्ति दिलाई। नरभक्षियों को ठिकाने लगाने में उनके द्वारा दिखाए गए अदम्य साहस को देखते हुए उत्तराखंड का जनमानस जिम कॉर्बेट को चमत्कारिक शक्ति से संपन्न व्यक्ति मानता था।

जिम कॉर्बेट के जीवन का अधिकांश हिस्सा कुदरत के निकट सान्निध्य में बीता। उन्होंने जंगल को अपने भीतर सोख लिया था। उनका संपूर्ण जीवन प्रकृति के सूक्ष्म और गहन रहस्यों को जानते और आत्मसात करने में बीता। स्वअर्जित जंगल ज्ञान के बूते ही वे प्रकृति के ज्ञाता बने और दुर्दांत नरभक्षियों को मारने में सफल हुए। जिम कॉर्बेट का व्यक्तित्व बहुआयामी था। वे प्रकृति विज्ञानी, वन्यजीव विशेषज्ञ एवं मशहूर शिकारी थे साथ ही वन्यजीव रक्षक भी। उन्होंने रेलवे में नौकरी की। सेना में भी सेवाएं दी। जिम कॉर्बेट को सेना में कर्नल की पदवी से नवाजा गया था। वे लोकप्रिय जनप्रतिनिधि भी रहे। जिम कॉर्बेट ने 1907 से 1940 के कालखंड में नैनीताल नगर पालिका के सदस्य, उपाध्यक्ष, वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं कार्यवाहक अध्यक्ष के दायित्वों का निर्वहन किया। वे ठेकेदार भी थे और संपत्ति एजेंट भी। जिम सिद्धहस्त लेखक भी थे और प्रसिद्ध वन्यजीव फोटोग्राफर भी। जिम की तत्कालीन अंग्रेज शासकों के साथ निकटता भी थी और वे भारत के गरीबों के अजीज दोस्त एवं हमदर्द भी थे। जिम कॉर्बेट के व्यक्तित्त्व का सबसे उजला पक्ष था- उनकी दानशीलता और गरीबों के प्रति आत्मीयता।

1893 से 1914 के दौरान मोकामाघाट में रेलवे की नौकरी के कालखंड को छोड़कर जिम कॉर्बेट का अधिकांश जीवन नैनीताल और कालाढूंगी में ही बीता। जिम कॉर्बेट भारत भूमि और भारत के गरीबों से बेपनाह मोहब्बत करते थे। जिम कॉर्बेट ने अपनी बहुचर्चित किताब ₹माय इंडिया₹ हिंदुस्तान के गरीबों को समर्पित की है। जिम कॉर्बेट ने माय इंडिया की प्रस्तावना में लिखा हैः- जिस हिंदुस्तान को मैं जानता हूँ, उसमें चालीस करोड़ लोग रहते हैं, जिनमें से नब्बे फीसदी लोग सीधे- सादे, ईमानदार, बहादुर, वफादार और मेहनती हैं,जिनकी रोजाना की इबादत- ऊपर वाले से और जो भी सरकार गद्दी पर हो, से यही रहती है कि उनकी जान-माल की सलामती बनी रहे और वो अपनी मेहनत का फल अच्छे से खा सकें। हिंदुस्तान के ये वो लोग हैं, जो निपट गरीब हैं और जिन्हें अक्सर 'हिंदुस्तान के करोड़ों अधपेटे' कहा जाता है। ये वे लोग हैं जिनके बीच मैं रहा हूँ और जिनसे मैं मोहब्बत करता हूँ।

जेन-जी : निवेश-संस्कृति और आर्थिक विकास की मजबूत धुरी

> युवा निवेशकों की बढ़ती संख्या बाजार के लिए शुभ संकेत है, लेकिन डिजिटल दक्षता अपने आप वित्तीय परिपक्वता की गारंटी नहीं होती। सोशल मीडिया पर मिलने वाली अधूरी सलाह, प्रभावशाली व्यक्तियों की अप्रमाणित सिफारिशें, वायदा एवं विकल्प कारोबार का आकर्षण, क्रिप्टो परिसंपत्तियों की अस्थिरता और बिना पर्याप्त समझ के लिया गया असुरक्षित ऋण गंभीर जोखिम पैदा कर सकता है।

सतीश सिंह

वर्ष 1997 से 2012 के बीच जन्मी जेनरेशन-जेड यानी जेन-जी का बड़ा हिस्सा अभी शिक्षा, रोजगार या कॅरियर के शुरूआती पड़ाव पर है। इसके बावजूद शेयर बाजार में उसकी बढ़ती भागीदारी, उपभोग पर प्रभाव और ऋण चुकाने में दिख रहा अनुशासन संकेत देता है कि यह पीढ़ी भारतीय अर्थव्यवस्था की भावी दिशा निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

वित्त वर्ष 2019-20 से 2025-26 के बीच शेयर बाजार से जुड़े प्रत्येक 10 नए निवेशकों में लगभग 6 की आयु 30 वर्ष से कम रही है। वर्ष 2019-20 में कुल निवेशकों में जेन-जी की हिस्सेदारी 23.5 प्रतिशत थी, जो 2025-26 में बढ़कर 38.3 प्रतिशत हो गई। इस प्रकार छह वर्षों में उसकी भागीदारी करीब डेढ़ गुना हो चुकी है। नए निवेशकों में भी जेन-जी का अनुपात 52.1 प्रतिशत से बढ़कर 59 प्रतिशत हो गया। इसी अवधि में नए निवेशकों की औसत आयु 29 वर्ष से घटकर 27 वर्ष रह गई। इसका सीधा अर्थ है कि भारत में निवेश की शुरूआत अब पहले की तुलना में कम उम्र में हो रही है।

शेयर बाजार के कुल निवेशक आधार में जेन-जी की 38.3 प्रतिशत हिस्सेदारीः एक समय शेयर बाजार को बड़े शहरों, ऊंची आय वाले परिवारों और अपेक्षाकृत अधिक उम्र के निवेशकों का क्षेत्र माना जाता था। जेन-जी ने इस धारणा को काफी हद तक बदल दिया है। स्मार्टफोन, सस्ती इंटरनेट सेवा, आधार-आधारित सत्यापन, ऑनलाइन डीमैट खाते, डिजिटल भुगतान और निवेश मंचों ने छोटे शहरों तथा कस्बों के युवाओं के लिए भी बाजार के दरवाजे खोल दिए हैं।

शेयर बाजार के कुल निवेशक आधार में जेन-जी की 38.3 प्रतिशत हिस्सेदारी उसकी बढ़ती भागीदारी को दशार्ती है। हर दस निवेशकों में करीब चार का इस पीढ़ी से होना भारतीय शेयर बाजार की सामाजिक और भौगोलिक संरचना में आ रहे व्यापक बदलाव को रेखांकित करता है।

य्युवा निवेशकों की बढ़ती संख्या के कारण घरेलू बचत का एक हिस्सा पारंपरिक जमा साधनों से निकलकर वित्तीय परिसंपत्तियों की ओर बढ़ रहा है। नियमित और दीर्घकालीन निवेश में वृद्धि होने पर कंपनियों को बाजार से पूंजी जुटाने में सुविधा मिलती है। इस पूंजी का उपयोग उत्पादन क्षमता बढ़ाने, नई परियोजनाएं शुरू करने और रोजगार सृजित करने में किया जा सकता है। इसलिए युवा निवेशकों की भागीदारी का प्रभाव केवल शेयरों की खरीद-बिक्री तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वास्तविक अर्थव्यवस्था तक भी पहुंचता है।

सेबी के निवेशक सर्वेक्षण 2025 के अनुसार, प्रतिभूति बाजार के उत्पादों के प्रति जेन-जी में जागरूकता 66 प्रतिशत थी, जो अन्य कई आयु-वर्गों की तुलना में अधिक है। इससे स्पष्ट है कि युवा केवल निवेश मंचों तक नहीं पहुंच रहे, बल्कि शेयर, म्यूचुअल फंड, विनिमय कारोबार वाले कोष और अन्य वित्तीय साधनों को समझने का प्रयास भी कर रहे हैं। कम उम्र में निवेश शुरू करने से उन्हें चक्रवृद्धि प्रतिफल का लाभ उठाने के लिए लंबी अवधि मिलती है।

ऋण लेने के साथ चुकौती में अनुशासनः जेन-जी को अक्सर आवेग में खर्च करने वाली और कर्ज पर निर्भर पीढ़ी के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, लेकिन ऋण संबंधी आंकड़े इस धारणा का दूसरा पक्ष सामने रखते हैं। फिनटेक कंपनियों और नई पीढ़ी की गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों का कुल ऋण पोर्टफोलियो करीब 1.43 लाख करोड़ रुपए है। इसमें असुरक्षित ऋण की हिस्सेदारी लगभग 1.01 लाख करोड़ रुपए है, जिसमें से करीब 50,000 करोड़ रुपए का ऋण जेन-जी को दिया गया है। इस प्रकार इन संस्थानों के असुरक्षित ऋण में जेन-जी की हिस्सेदारी लगभग 49.5 प्रतिशत है।

संबंधित ऋणों की डिफॉल्ट दर दिसंबर 2024 में 0.42 प्रतिशत से घटकर जून 2025 में 0.35 प्रतिशत रह गई। यानी इसमें 0.07 प्रतिशत-बिंदु की कमी आई है। यह गिरावट संकेत देती है कि जेन-जी के अधिकांश उधारकर्ता समय पर ऋण चुका रहे हैं और असुरक्षित ऋण लेने के बावजूद उनमें वित्तीय अनुशासन दिखाई दे रहा है।

इसके बावजूद असुरक्षित ऋणों को लेकर सावधानी जरूरी है, क्योंकि इनमें किसी संपत्ति की जमानत नहीं होती। आसान डिजिटल ऋण, तत्काल स्वीकृति और आकर्षक प्रस्ताव युवाओं को आय से अधिक उधारी के लिए प्रेरित कर सकते हैं। एक ऋण चुकाने के लिए दूसरा ऋण लेना आगे चलकर वित्तीय दबाव और चूक का कारण बन सकता है। उपभोग में प्रभावशाली भूमिकाः भारत में जेन-जी की आबादी करीब 37.7 करोड़ है। उपलब्ध अध्ययनों के मुताबिक यह पीढ़ी प्रत्यक्ष रूप से अथवा पारिवारिक खरीद-निर्णयों के माध्यम से लगभग 860 अरब डॉलर (करीब 71 लाख करोड़ रुपए) के वार्षिक उपभोग को प्रभावित करती है। यह देश के कुल उपभोग का लगभग 43 प्रतिशत है। वर्ष 2035 तक जेन-जी से जुड़ा उपभोग करीब 1.8 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। इससे आने वाले वर्षों में उसकी आर्थिक शक्ति और अधिक व्यापक होने का संकेत मिलता है। जेन-जी द्वारा प्रभावित 43 प्रतिशत उपभोग अर्थव्यवस्था में उसकी मांग-सृजन क्षमता को दशार्ता है। यह माँग उत्पादन, बिक्री, निवेश और रोजगार को गति देती है। युवा जिन उत्पादों और सेवाओं को प्राथमिकता देते हैं, कंपनियां उसी के अनुरूप उत्पादन, विपणन और निवेश की रणनीति बनाती हैं।

यह पीढ़ी केवल खरीदार ही नहीं है। वह ऐप-आधारित सेवाओं की उपयोगकर्ता, डिजिटल सामग्री की निमार्ता, स्टार्टअप की संस्थापक, स्वतंत्र पेशेवर, ऑनलाइन विक्रेता और निवेशक है। कृत्रिम मेधा, वित्तीय प्रौद्योगिकी, ई-कॉमर्स, त्वरित वाणिज्य, डिजिटल मनोरंजन और पर्यावरण-अनुकूल उत्पादों की मांग बढ़ाने में उसकी भूमिका महत्वपूर्ण होती जा रही है। इस तरह जेन-जी अर्थव्यवस्था में मांग और उत्पादन, दोनों पक्षों को प्रभावित कर रही है।

अवसर के साथ जोखिम भीः युवा निवेशकों की बढ़ती संख्या बाजार के लिए शुभ संकेत है, लेकिन डिजिटल दक्षता अपने आप वित्तीय परिपक्वता की गारंटी नहीं होती। सोशल मीडिया पर मिलने वाली अधूरी सलाह, प्रभावशाली व्यक्तियों की अप्रमाणित सिफारिशें, वायदा एवं विकल्प कारोबार का आकर्षण, क्रिप्टो परिसंपत्तियों की अस्थिरता और बिना पर्याप्त समझ के लिया गया असुरक्षित ऋण गंभीर जोखिम पैदा कर सकता है। शेयर बाजार दीर्घकालीन संपत्ति निर्माण का माध्यम है, त्वरित कमाई का साधन नहीं। जेन-जी को निवेश और सट्टेबाजी के अंतर, जोखिम-विविधीकरण, आपातकालीन कोष, बीमा, चक्र वृद्धि प्रतिफल और जिम्मेदार ऋण-व्यवहार की समझ देना आवश्यक है। वित्तीय संस्थानों और नियामकों को भी युवाओं के लिए सरल भाषा में वित्तीय शिक्षा, पारदर्शी ऋण शर्तें और प्रभावी निवेशक संरक्षण सुनिश्चित करना होगा।

जेन-जी की वास्तविक शक्ति केवल उसके युवा होने में नहीं, बल्कि तकनीक के साथ उसकी सहजता, सीखने की तत्परता और परंपरागत आर्थिक व्यवहार बदलने की क्षमता में है। यदि उसे रोजगार, गुणवत्तापूर्ण वित्तीय शिक्षा, जिम्मेदार ऋण और सुरक्षित निवेश के अवसर मिलते हैं, तो उसकी बचत उत्पादक पूंजी में बदल सकती है। इससे कंपनियों को दीर्घकालीन संसाधन, बाजार को व्यापक निवेशक आधार और अर्थव्यवस्था को टिकाऊ मांग मिलेगी।

जेन-जी के हाथ में स्मार्टफोन है और उसी स्क्रीन पर बैंक खाता, डीमैट खाता, ऋण, कारोबार तथा निवेश के अवसर भी हैं। चुनौती यह सुनिश्चित करने की है कि उसकी उंगलियां केवल बाजार की तेजी का पीछा न करें, बल्कि जोखिम को समझते हुए भविष्य की संपदा का निर्माण करें। ऐसा होने पर जेन-जी शेयर बाजार की नई सहभागी भर नहीं होगी, बल्कि भारत की निवेश-संस्कृति और आर्थिक विकास की मजबूत धुरी बन सकती है।

शरणागति

डॉ. ज्ञानानंददास स्वामी

मानव का जीवन बड़ा ही विचित्र है। कहते तो सभी हैं कि जीवन में सुख और दुःख समान रूप से आते हैं किंतु सभी का अनुभव कहता है कि यहां सुख कम हैं और दुःख अधिक। ऐसी परिस्थिति में व्यक्ति को न तो बाहर निकलने का रास्ता मिलता है न ही रक्षा के लिए कवच! नतीजा वह टूट जाता है बिखर जाता है। अर्जुन का विषाद बहुगुणित होता जा रहा था। उसका हताश मन और टूटता तन नियंत्रण से बाहर थे। हालांकि अपनी इस विषादमयी परिस्थिति को सही ठहराने का उसने भरकस प्रयास किया था। किंतु अब तो उसका मन और मस्तिष्क भी उसका साथ छोड़ रहे थे। किंतु इस विषम परिस्थिति में उसने एक कदम ऐसा उठाया जिसने उसे विषाद के दावानल से बाहर निकाल कर विजेता बना दिया। वह कदम था शरणागति! अर्जुन ने भगवान के सामने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। उसने कहा ,मैं अस्थिर, धर्म से विमूढ़ और कायरतारूपी दोष से आहत हूं। अब मैं आपकी शरण में हूं, इसलिए जो मेरे लिए श्रेय हो, वह आप ही बताएं।' यह उसका सही कदम था। गलती हो गई लेकिन ईश्वर कृपा करके गलती सुधारने की चेतावनी देती है। ऐसे कई लोग हैं जो अपनी ताकत, विश्वास या विचारों के आत्मघात के समय अपने को बचाने के बारे में सोचते हैं। लेकिन अर्जुन की तरह,श्रेष्ठ मित्र, गुरु की शरणागति लेते ही बहुत ही आसानी से अपने सभी दुःखों, पापों, संदेह या अपराधबोध से बाहर आ सकते हैं। महंतस्वामी महाराज समझाते हैं ,शरणागत भक्त सबसे पहले अहंकार को छोड़ कर अपने दोषों का स्वीकार करता है। वह स्वयं को पूर्ण समर्पित कर देता है। उसकी शरणागति में भाव की परम शुद्धि अनिवार्य है।' अर्जुन की यही विशेषता थी। उसकी भावना थी, ,मैं न केवल आपका शिष्य हूं, बल्कि एक भक्त भी हूं, अब मुझे आप संभाल लेना।' यहां पर अर्जुन ने मानव रूप में पधारे भगवान को पहचाना और उनकी अद्वितीय शरण ली। इस अवसर पर सुख-दुःख में साथ देने वाले परम मित्र भाई और गुरु श्रीकृष्ण पर उसका परम विश्वास प्रकट होता है। यह अर्जुन का सही समय पर सही निर्णय था। शरणागति के वचन से ही वह स्थिर होने लगा।

चिंतन-मनन

आपके पत्र

आंदोलन, नेतृत्व और लोकतंत्र

लोकतंत्र केवल चुनावों से नहीं चलता, बल्कि नागरिकों की सक्रिय भागीदारी, संवाद, असहमति और उत्तरदायित्व से भी संचालित होता है। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में आंदोलन सामाजिक चेतना का माध्यम होते हैं। वे सत्ता को आईना दिखाते हैं, जनता की पीड़ा को स्वर देते हैं और नीतिगत सुधारों का मार्ग प्रशस्त करते हैं। किंतु इतिहास यह भी बताता है कि हर आंदोलन स्वतः पवित्र नहीं होता और न ही हर आंदोलन संदेह से परे होता है।

यदि किसी आंदोलन के उद्देश्य, नेतृत्व, वित्तीय स्त्रोत, संगठनात्मक संरचना और कार्यशैली पर गंभीर प्रश्न उठते हैं, तो उनका उत्तर भी लोकतांत्रिक पारदर्शिता के साथ दिया जाना चाहिए। आंदोलन के विरुद्ध लगाए गए आरोपों का मूल्यांकन प्रमाणों के आधार पर होना चाहिए।

केसर कौशिक,रांची

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

महिला पर लोहे की रॉड से जानलेवा हमला सोने की चेन छीनने का आरोप केस दर्ज

साहिबगंज/उधवा : राधानगर थाना क्षेत्र के पश्चिमी प्राणपुर कमार टोला में एक महिला पर कथित रूप से लोहे की रॉड से जानलेवा हमला करने, मारपीट करने तथा सोने की चेन छीन लेने का मामला सामने आया है। पीड़ित पक्ष की लिखित शिकायत पर राधानगर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पश्चिमी प्राणपुर कमार टोला निवासी तजरुद्दीन शेख ने थाना में दिए आवेदन में बताया है कि 24 जुलाई की शाम उनकी पत्नी ब्यूटी बीबी घर के बरामदे के नीचे बैठी थीं, जबकि उनकी बेटी मौसमी खातून और बहू पिंकी बीबी बरामदे में बीड़ी बना रही थीं। इसी दौरान घर के बाहर थूकने जैसी बात को लेकर पड़ोस की हलीमा बीबी एवं आपसाना खातून ने कथित रूप से गाली-गलौज शुरू कर दी। आवेदन में आरोप लगाया गया है कि विवाद बढ़ने पर अरबाज शेख ने लोहे की सबल (रॉड) से ब्यूटी बीबी के सिर पर वार कर दिया, जिससे उनका सिर फट गया और अत्यधिक रक्तस्राव होने लगा। इसके बाद मंसूर शेख और बल्ला शेख पर लाठी-डंडों से मारपीट करने का आरोप लगाया गया है। शिकायतकर्ता के अनुसार जब उनका पुत्र हासेन शेख अपनी मां को बचाने पहुंचा, तो एकरामुल शेख ने उस पर भी लोहे की सबल से हमला कर दिया, जिससे उसके बाएं पैर में चोट आई। वहीं हलीमा बीबी पर ब्यूटी बीबी के गले से करीब डेढ़ भरी सोने का हार छीनकर आपसाना खातून को देने का भी आरोप लगाया गया है।घटना के बाद घायल महिला को राधानगर थाना ले जाया गया, जहां से पुलिस द्वारा जख्म प्रतिवेदन देकर राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल भेजा गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद सिर में गंभीर चोट को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए मालदा रेफर कर दिया, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर कांड संख्या 264/26 दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना पुलिस का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है तथा जांच में जो तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

खरीफ सीजन में किसानों को खाद की सबसे अधिक आवश्यकता होती है : अब्दुल

साहिबगंज/बरहरवा : प्रखंड क्षेत्र में खाद की कथित कालाबाजारी और निर्धारित सरकारी मूल्य से अधिक दर पर बिक्री को लेकर नवझारखंड जनएकता संगठन ने मोर्चा खोल दिया है। संगठन के अध्यक्ष फरोग अहसान सहित 6 सदस्यीय शिष्टमंडल ने सोमवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी से मिलकर पूरे मामले की जांच कराने और दोषी खाद विक्रेताओं के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है।ज्ञापन में कहा गया है कि प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न उर्वरक विक्रेताओं द्वारा किसानों से निर्धारित सरकारी दर से कहीं अधिक कीमत वसूली जा रही है। संगठन का आरोप है कि डीएपी खाद, जिसकी सरकारी कीमत लगभग 1,350 रुपया प्रति बोरी है, उसे 2,200 से 2,500 रुपया प्रति बोरी तक बेचा जा रहा है। वहीं यूरिया, जिसकी सरकारी कीमत 266 रुपया प्रति बोरी है, किसानों को 400 से 450 रुपया प्रति बोरी में उपलब्ध कराया जा रहा है। संगठन का कहना है कि खरीफ सीजन में किसानों को खाद की सबसे अधिक आवश्यकता होती है। ऐसे समय में मनमाने दाम वसूलना किसानों का आर्थिक शोषण है और आवश्यक वस्तुओं से संबंधित नियमों का भी उल्लंघन है।ज्ञापन के माध्यम से संगठन ने प्रशासन से बरहरवा प्रखंड के सभी उर्वरक दुकानों की तत्काल जांच कराने, निर्धारित सरकारी मूल्य पर खाद की बिक्री सुनिश्चित करने तथा अधिक कीमत वसूलने वाले दुकानदारों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।इस ज्ञापन की प्रतिलिपि जिला कृषि पदाधिकारी साहिबगंज उपायुक्त साहिबगंज उप निदेशक कृषि संताल परगना प्रमंडल दुमका निदेशक, कृषि विभाग झारखंड सरकार रांची को भी भेजी गई है।मौके पर संगठन के फाउंडर मेंबर अंसार अली उर्फ मिंटू, कोषाध्यक्ष सरफराज अहमद, संगठन प्रभारी अब्दुल मालिक, उपाध्यक्ष तबरेज अंसारी, सह सचिव आमिर हमजा उपस्थित थे।

युवक पर जानलेवा हमला, नगदी व सोने का लॉकेट छीनने का आरोप केस दर्ज

साहिबगंज/उधवा : राधानगर थाना क्षेत्र के पश्चिम प्राणपुर बोरक टोला में घर में घुसकर युवक पर जानलेवा हमला करने तथा नकदी और आभूषण लूटने का मामला सामने आया है। पीड़ित अरबाज शेख की शिकायत पर राधानगर थाना में कांड संख्या 263/26 दर्ज किया गया है। आवेदन के अनुसार, 24 जुलाई की शाम तजरुद्दीन शेख समेत सात लोग कथित रूप से हसुआ और लोहे की सब्बल लेकर उसके घर में घुस गए। आरोप है कि अकबर शेख ने लोहे की सब्बल से उसके सिर पर वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। जबकि अन्य आरोपियों ने लात-घूंसों ईंट और सब्बल से मारपीट की। शिकायत में कहा गया है। कि बीच-बचाव करने पहुंचे मंसूर शेख और मसरुद्दीन शेख के साथ भी मारपीट की गई। वहीं, उसकी मां के गले से सोने का लॉकेट छीनने और घर में रखे बक्से से 80 हजार निकालकर ले जाने का भी आरोप लगाया गया है। घायल अरबाज शेख का इलाज राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल में इलाज चल रहा है। पीड़ित ने आवेदन में घटना का कारण मादक पदार्थों के कथित अवैध कारोबार का विरोध करना बताया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बकरे को मारने का आरोप विरोध करने पर जान से मारने की धमकी केस दर्ज

साहिबगंज/उधवा : राधानगर थाना क्षेत्र में बकरी के बच्चे की कथित हत्या और जान से मारने की धमकी का मामला सामने आया है। इस संबंध में राधानगर थाना पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार राधानगर निवासी सुजीत प्रसाद ने थाना में दिए आवेदन में आरोप लगाया है कि सोमवार की सुबह उनके घर के पीछे स्थित बगीचे में उनका चार माह का बकरी का बच्चा चर रहा था। इसी दौरान उनके भाई संजीव प्रसाद ने कथित रूप से हसुआ से वार कर बकरी के बच्चे को दो टुकड़ों में काटकर मार डाला।आवेदन में यह भी आरोप लगाया गया है कि घटना का विरोध करने पर आरोपी ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी और कहा कि एक बार बकरी को काटा है। दूसरी बार तुम्हें जान से मार देंगे। घटना के बाद पीड़ित ने राधानगर थाना पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई और कानूनी कार्रवाई की मांग की।पुलिस ने मामले को लेकर थाना कांड संख्या 267/26 दर्ज कर लिया है। थाना पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। जांच में जो तथ्य सामने आएंगे उसके अनुरूप आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

संभावित बाढ़ व स्वास्थ्य सेवाओं की तैयारियों की उपायुक्त ने की व्यापक समीक्षा

स्वास्थ्य संस्थानों में दवाओं, उपकरणों, एम्बुलेंस, रक्त उपलब्धता व चिकित्सकीय सेवाओं को सुदृढ़ रखने के दिए निर्देश

संवाददाता

साहिबगंज : संभावित बाढ़ को देखते हुए उपायुक्त दीपक कुमार दूबे की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति और स्वास्थ्य विभाग की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता संभावित बाढ़ की तैयारियों अस्पतालों की व्यवस्थाओं व विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं एवं आधारभूत संरचनाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। इस संदर्भ में उपायुक्त ने मोटर बोट एम्बुलेंस की उपलब्धता एवं संचालन की समीक्षा करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि आगामी तीन दिनों के भीतर मोटर बोट एम्बुलेंस व जिला प्रशासन के अन्य बोट की मरम्मत पूर्ण कर उन्हें पूर्णतः क्रियाशील बनाया जाए और प्रशिक्षित चालकों की उपलब्धता हर समय सुनिश्चित की जाए ताकि आपदा की स्थिति में त्वरित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें।उपायुक्त ने दियारा क्षेत्र के सभी स्वास्थ्य संस्थानों एवं सेवा प्रदाय केंद्रों में संभावित बाढ़ को देखते हुए आवश्यक दवाओं एवं चिकित्सा उपकरणों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।बैठक के दौरान चासगामा आयुष्मान आरोग्य मंदिर तक मुख्य सड़क से संपर्क मार्ग नहीं होने के कारण आमजन को हो रही कठिनाइयों पर चिंता व्यक्त करते हुए उपायुक्त ने पथ निर्माण विभाग को अविलंब प्राक्कलन तैयार कर प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। ताकि शीघ्र सड़क निर्माण की प्रक्रिया प्रारंभ की जा सके। जिसमें सदर अस्पताल स्थित सेंट्रल लैब के सुचारु संचालन हेतु लंबित रीजेंट के भुगतान का शीघ्र नियमानुसार निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश सिविल सर्जन एंव उपाधीक्षक सदर अस्पताल को दिया।जिले में मलेरिया के बढ़ते मामलों को देखते हुए उपायुक्त ने सभी स्वास्थ्य केंद्रों में मलेरिया जांच किट की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा सिविल सर्जन को प्रत्येक प्रखंड स्तर पर मलेरिया नियंत्रण कक्ष स्थापित करने का निर्देश दिया। उन्होंने आवश्यकता के अनुरूप सदर अस्पताल अनुमंडल अस्पताल एंव सामुदायिक स्वास्थ केन्द्रों में बेड की संख्या बढ़ाने के भी निर्देश दिए।रोगियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने पर बल देते हुए उपायुक्त ने अस्पताल प्रबंधक को प्रतिदिन प्रत्येक वार्ड का निरीक्षण करने तथा किसी भी प्रकार की कमी पाए जाने पर तत्काल उपाधीक्षक को सूचित करने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने स्पष्ट कहा कि मरीजों एवं उनके परिजनों के साथ किसी भी प्रकार का दुर्व्यवहार या असम्मान जनक व्यवहार किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं होगा। बैठक में रक्तकोष ब्लड बैंक में प्रतिदिन उपलब्ध रक्त की जानकारी जिला जनसंपर्क कार्यालय को उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए, ताकि सभी नागरिकों को समय पर सूचना उपलब्ध कराई जा सके। जबकि सिविल सर्जन एवं उपाधीक्षक को निर्देशित किया कि यदि ममता वाहन मद का कोई भुगतान लंबित हो तो उसका अविलंब निष्पादन किया जाए। साथ ही अस्पताल प्रबंधक को निर्देश दिया गया कि बाह्य रोगी विभाग में चिकित्सकों की रोस्टर के अनुसार नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करें तथा किसी भी अनियमितता की सूचना वरीय पदाधिकारियों को उपलब्ध कराएं।बैठक में सदर अस्पताल में स्थापित ऑक्सीजन प्लांट की मरम्मत आयुष्मान भारत योजना के प्रावधानों के अंतर्गत नियमानुसार कराने का निर्देश दिया गया।उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी विशेषज्ञ चिकित्सक, स्त्री रोग विशेषज्ञ तथा पैरामेडिकल कर्मी रोस्टर के अनुरूप अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण अवधि में उपस्थित रहेगें तथा उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि कोई चिकित्सक अपने निर्धारित कार्यालय अवधि के दौरान निजी क्लीनिक में कार्य करते हुए पाया जाता है तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।उन्होंने सिविल सर्जन को निर्देश दिया कि डीएमएफटी जिला खनिज प्रतिष्ठान न्यास के अंतर्गत विशेषज्ञ चिकित्सकों, चिकित्सा पदाधिकारियों एवं पैरामेडिकल कर्मियों की आवश्यकता के अनुरूप शीघ्र प्रस्ताव उपलब्ध कराया जाए। साथ ही उपाधीक्षक को प्रतिदिन पूर्वाह्न 9:00 बजे से 10:00 बजे तथा अपराह्न 2:00 बजे से 3:00 बजे तक ओपीडीएस एंव वार्डों का नियमित निरीक्षण करने तथा सिविल सर्जन को सप्ताह में कम-से-कम एक दिन औचक निरीक्षण करने का निर्देश दिया गया। इस बैठक में यह भी निर्देश दिया गया कि सदर अस्पताल में आवश्यक चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु शीघ्र प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत किया जाए और जिला योजना पदाधिकारी को निर्देश दिया कि जिले के सभी सीएचसी , पीएचसी एवं एचएससी में जहां-जहां सोलर लाइट खराब हैं, वहां उनकी मरम्मत का कार्य प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण कराया जाए। इस बैठक में उप विकास आयुक्त श्री सतीश चंद्रा, सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान, जिला शिक्षा पदाधिकारी श्री नयन कुमार, नगर प्रशासक साहीबगंज व बड़हरवा, सभी प्रखंडों के चिकित्सा पदाधिकारी प्रभारी सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

किशोरियों के सशक्तिकरण और अधिकारों के प्रति जागरूकता को लेकर चला व्यापक कार्यक्रम

संवाददाता

साहिबगंज : जिला समाज कल्याण पदाधिकारी साहिबगंज के मार्गदर्शन में +2 उच्च विद्यालय कोदरजन्ना साहिबगंज व कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय साहिबगंज में किशोरियों के सर्वांगीण विकास सुरक्षा व कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना डायन प्रथा उन्मूलन डिजिटल साक्षरता बाल संरक्षण, पॉक्सो अधिनियम गुड टच-बैड टच मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंध बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ बाल विवाह मुक्त भारत तथा सखी वन स्टॉप सेंटर द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं को उपलब्ध कराई जाने वाली सहायता एवं सेवाओं के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गईजागरूकता सत्र में बालिकाओं को उनके अधिकारों गुणवत्तापूर्ण शिक्षा स्वास्थ्य पोषण मासिक धर्म स्वच्छता बाल विवाह की रोकथाम तथा महिलाओं एवं बालिकाओं के विरुद्ध हिंसा की स्थिति में उपलब्ध कानूनी एवं संस्थागत सहायता के बारे में जागरूक किया गया। साथ ही प्रायोजन योजना, आफ्टर केयर फोस्टर केयर चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 एवं अन्य सरकारी कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए उनका अधिकाधिक लाभ उठाने तथा सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध सजग एवं जागरूक रहने का आह्वान किया गया।पर्यावरण संरक्षण व एक पेड़ बेटी के नाम अभियान के तहत विद्यालय परिसर में किशोरियों द्वारा पौधारोपण कराया गया। इसके अतिरिक्त छात्राओं के बेहतर स्वास्थ्य एवं मासिक धर्म स्वच्छता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उन्हें सेनेटरी पैड भी वितरित किए गए।कार्यक्रम में जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी पूनम कुमारी, संरक्षण पदाधिकारी गैर संस्थागत देखरेख चंदा कुमारी, बाल संरक्षण इकाई की आंकड़ा विश्लेषक बिंदु कुमारी, चाइल्ड हेल्पलाइन के परियोजना समन्वयक मो. इकबाल, कार्यक्रम अधिकारी खालिद हाशमी विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य शिक्षकगण तथा अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।सभी अधिकारियों ने छात्राओं को सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी देते हुए उन्हें आत्मनिर्भर, शिक्षित, सुरक्षित एवं जागरूक नागरिक बनने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि समाज में बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य और सम्मान सुनिश्चित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है तथा जागरूकता ही सामाजिक परिवर्तन का सबसे प्रभावी माध्यम है।

नशे में धुत्त पिता ने कुल्हाड़ी से मारकर बेटे की कर दी हत्य फरार

संवाददाता

साहिबगंज/पतना : रांगा थाना क्षेत्र के विशनपुर मे रविवार की रात्रि लगभग 10:30 पीएम बजे दिल दहला देने वाली घटना घटित हो गई,जिससे इलाके में सनसनी फैल गई।जानकारी के अनुसार रविवार की रात्रि नशे की हालत में मुजाहिरुल हक अपने घर पहुँचे जहाँ उनके बेटे सफीकुल इस्लाम 21 वर्ष गहरी नींद में सो रहा था।इस दौरान नशे में धुत्त मुजाहिरुल हक्क अपने ही सोते हुए बेटे पर ताबड़तोड़ कुल्हाड़ी से हमला कर बुरी तरह से घायल कर दिया। बेटे पर हमला के बाद अपनी पत्नी पर भी हमला करने का प्रयास किया उसी समय परिजनों ने देख लिया ,हल्ला मचने के बाद आरोपी मुजहिरुल हक्क मौके से फरार हो गया इधर घायल सफीकुल को परिजनों ने नजदीकी अस्पतला ले गए जहाँ से चिकिस्को ने गंभीर हालत देखते हुए उसे रेफर कर दिया ।परिजनों ने आनन फानन में उसे फरक्का ले गए वहाँ से भी चिकिस्को ने रेफर कर दिया ।बेहतर इलाज के लिए जंगीपुर जाने के क्रम में रास्ते में ही घायल सफीकुल की मौत हो गई।मामले की जानकारी मिलते ही रांगा थाना पुलिस मौके पर पहुँची और मामले जाँच शुरू कर दी है।इस घटना के बाद पूरे इलाके में मातम का माहौल है ।पुलिस आरोपी पिता मुजाहिरुल हक्क की तलाश में जुट गई है ।

रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से समाज में नशा मुक्ति का संदेश फैलाना था : अनिल

संवाददाता

साहिबगंज : युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय भारत सरकार के मार्गदर्शन में माय भारत साहिबगंज झारखंड द्वारा नशा मुक्त युवा विकसित भारत अभियान के अंतर्गत उत्सव बैंक्वेट हॉल साहिबगंज में जिला स्तरीय नशा मुक्ति प्रतियोगिता का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। वही कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना व रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से समाज में नशा मुक्ति का संदेश फैलाना था। वही कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं शिक्षण संस्थानों से बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। प्रतियोगियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए नशा मुक्ति के संदेश को गीत,नृत्य, कविता,भाषण, चित्रकला,निबंध एवं लघु फिल्म के माध्यम से प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। सभी प्रतिभागियों ने समाज को नशा मुक्त बनाने का संकल्प लेते हुए उपस्थित लोगों को भी इस जनजागरूकता अभियान से जुड़ने का संदेश दिया।प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार रहे। लघु फिल्म शार्ट फिल्म प्रथम रितेश कुमार, द्वितीय दीपेश कुमार, तृतीय सौरभ कुमार, नृत्य प्रतियोगिता प्रथम बबलू कुमार, द्वितीय योगेश कुमार, चित्रकला प्रतियोगिता प्रथम स्नेहा राज, द्वितीय सुरुचि कुमारी, तृतीय रोमा हांसदा, भाषण प्रतियोगिताः प्रथम अनिल मरांडी, द्वितीय राहुल कुमार शाह, तृतीय विनय टुडू निबंध प्रतियोगिताः प्रथम दरकशा प्रवीण, द्वितीय बेला मुर्मू, तृतीय रोहित कुमार साह कविता प्रतियोगिता प्रथम लक्ष्मी कुमारी, द्वितीय कृष्ण कुमार यादव, तृतीय गौरव कुमार सुमन, समूह गीत ग्रुप सांग एनएसएस ग्रुप कार्यक्रम में कार्यक्रम एवं लेखा सहायक पदाधिकारी अनिल कुमार एवं जिला युवा अधिकारी सौरभ पांडे की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि युवा शक्ति ही राष्ट्र शक्ति है और नशा मुक्त युवा ही विकसित भारत की सबसे बड़ी पहचान हैं। उन्होंने युवाओं से नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रहकर शिक्षा, खेल, संस्कृति एवं राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया एवं माय भारत के वालंटियर चंदन कुमार,कौसर अंसारी, राहुल कुमार मुख्य रूप से उपस्थित रहे। वही प्रतियोगिता का निष्पक्ष मूल्यांकन कुणाल कांत वर्मा, सुबोध कुमार झा, प्रो. प्रशांत भारती, प्रो. सीमा कुमारी, डॉ. प्राणेश, प्रो. कमल महावर, अविनाश कुमार शाह, अमन कुमार, अनीता मरांडी एवं नितिन कुमार ने निर्णायक मंडल के रूप में किया। निर्णायकों ने प्रतिभागियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि युवाओं की रचनात्मक अभिव्यक्ति समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का सशक्त माध्यम बन सकती है। कार्यक्रम के समापन अवसर पर सभी विजेताओं एवं प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। साथ ही उपस्थित सभी लोगों ने नशा मुक्त समाज एवं विकसित भारत के निर्माण का सामूहिक संकल्प लिया। यह आयोजन न केवल प्रतियोगिता तक सीमित रहा, बल्कि युवाओं के बीच जनजागरूकता फैलाने और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ। कार्यक्रम का सफल संचालन एवं आयोजन सभी अतिथियों, निर्णायकों, प्रतिभागियों तथा सहयोगी टीम के सामूहिक प्रयास से संपन्न हुआ।

बुजुर्गों का सम्मान न करें क्योंकि वे सीनियर सीटीजन हैं ... रीचा चड्ढा के बयान ने मचाई हलचल अब सोशल मीडिया पर जमकर हो रहीं ट्रोल

हाल ही में दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों ने कथित नीट पेपर लीक मामले को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया था। कई दिनों तक चले इस आंदोलन के बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। इस विरोध प्रदर्शन से जुड़े कई वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुए। इन्ही में से एक वीडियो पर अभिनेत्री ऋचा चड्ढा ने भी प्रतक्रिया देते हुए उसे अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया। इस दौरान उन्होंने बुजुर्गों को लेकर एक टिप्पणी की, जिस पर विवाद खड़ा हो गया। अब इस पूरे मामले पर अभिनेत्री सुजैन बर्नर्ट ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है।

बुजुर्गों का सम्मान मत करिए : इसी के साथ ऋचा चड्ढा ने लिखा कि- सिर्फ.इसलिए बुजुर्गों का सम्मान न करें कि वे सीनियर सिटिजन हैं... कुछ तो ऐसे लगते हैं जैसे उन्हें 'भक्ति-डिमेंशिया' हो गया हो। उन्हें गलतफहमी हो जाती है कि वे युवाओं का मुकाबला कर सकते हैं, जबकि वे खुद रात भर में 5 बार बाथरूम जाए बिना सो भी नहीं पाते। सिर्फ.उम्र की वजह से उनका सम्मान न करें; वे बस आपसे पहले पैदा हुए थे। उन्हें सम्मान कमाने दें। सड़क के कोने पर सुरक्षित दूरी पर अखबार पर थोड़ा खाना रख दें। उनसे उलझें नहीं।

एक्ट्रेस सुजैन बर्नर्ट ने ऋचा को सुनाई खरी-खोटी: ऋचा के इस ब्यान के बाद एक्ट्रेस सुजैन ने ऋचा को लिखा की- अच्छी बात है, आप कभी बुजुर्ग नहीं होंगे। इस ब्यान के बाद सोशल मीडिया पर उम्र और तमीज को लेकर एक और बहस छिड़ गई है।

कौन है सुजैन बर्नर्ट ? : बता दें कि सुजैन बर्नर्ट भारतीय फिल्म और टीवी इंडस्ट्री का जाना-पहचाना नाम हैं। वह कई भाषाओं की फिल्मों में काम कर चुकी हैं और 'रामधनु - द इंद्रधनुष' तथा 'हनीमून ट्रैवल्स प्राइवेट लिमिटेड' जैसी फिल्मों में अपनी अभिनय प्रतिभा दिखा चुकी हैं। इसके अलावा वह कई लोकप्रिय टीवी शोज का भी हिस्सा रह चुकी हैं।

क्या है पूरा मामला : इस विवाद की शुरूआत जब हुई तब नीट पेपर लीक को लेकर प्रोटेस्ट चल रहा था। प्रदर्शन के दौरान पुलिस के साथ हुई झड़प से जुड़े एक युवा प्रदर्शनकारी के समर्थन में सोशल मीडिया पर एक वायरल वीडियो शेयर किया। वीडियो के साथ लिखी उनकी टिप्पणी में बुजुर्गों की उम्र और उनसे जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं का जिक्र था, जिसे कई लोगों ने बहुत गलत समझा। उनके इस पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर उन्हें जमकर ट्रोल किया जा रहा है।

दुल्हनिया ले आएगी पर मेकर्स का खास तोहफा, बाय वन-गेट वन फ्री ऑफर

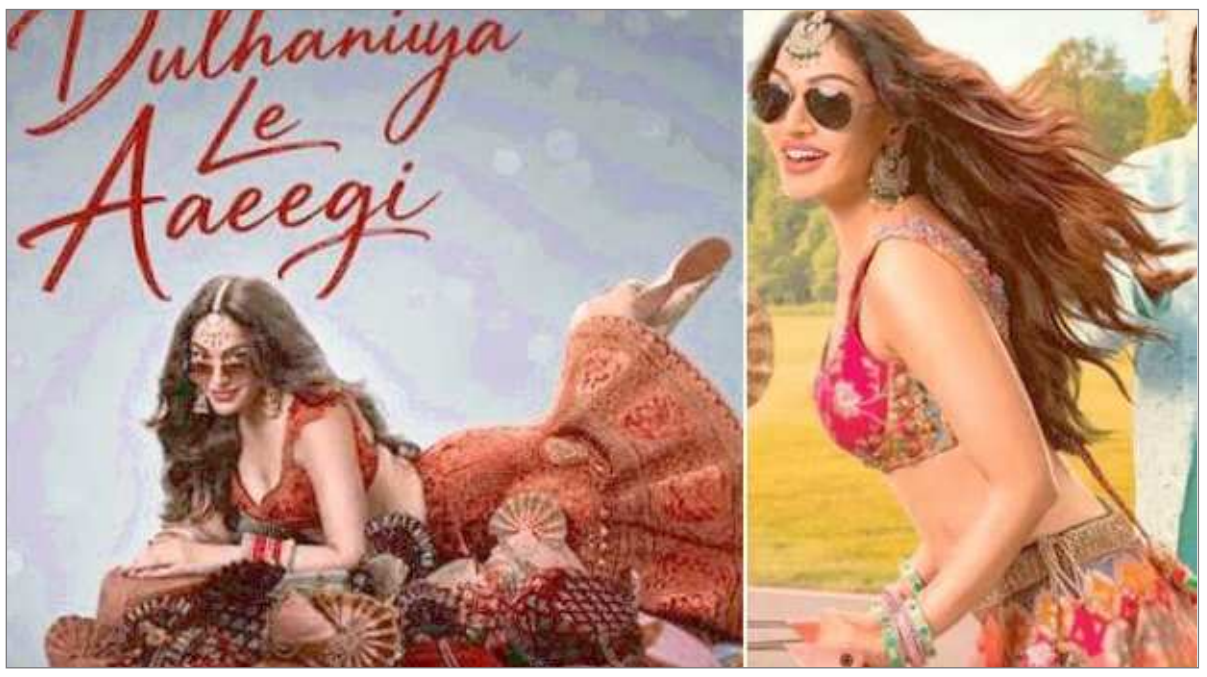

निर्देशक आकाशादित्य लामा की फिल्म दुल्हनिया ले आएगी को रिलीज के बाद दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। फिल्म को मिल रहे मजबूत वर्ड ऑफ माउथ और बढ़ती दर्शक संख्या को देखते हुए मेकर्स ने दर्शकों के लिए बाय वन गेट वन फ्री ऑफर की घोषणा की है। मेकर्स के अनुसार फिल्म को पारिवारिक मनोरंजन के रूप में सराहा जा रहा है और सिनेमाघरों से निकलने वाले दर्शक इसे अपने मित्रों और परिवार के सदस्यों को देखने की सलाह दे रहे हैं। इसी उत्साह को देखते हुए यह विशेष ऑफर शुरू किया गया है, जिससे दर्शक अपने प्रियजनों के साथ फिल्म का आनंद उठा सकें। इस बीच फिल्म की मुख्य अभिनेत्री खुशाली कुमार हाल ही में एक सिनेमाघर पहुंचीं, जहां उन्होंने दर्शकों के साथ फिल्म देखी और उनकी प्रतिक्रियाएं जानीं। थिएटर में दर्शकों ने तालियों और उत्साह के साथ उनका स्वागत किया। कई दर्शकों ने उनके अभिनय की सराहना की और उनके साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं। खुशाली कुमार ने कहा कि एक कलाकार के लिए इससे बड़ी खुशी कोई नहीं हो सकती कि दर्शक आपके किरदार से जुड़ाव महसूस करें। थिएटर में परिवारों से इतना प्यार मिलना मेरे लिए बेहद भावुक अनुभव था। लोगों को फिल्म और मेरे अभिनय की सराहना करते देख लगा कि हमारी मेहनत सफल हो गई। फिल्म के निर्देशक आकाशादित्य लामा ने भी दर्शकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें शुरू से विश्वास था कि दुल्हनिया ले आएगी ऐसी फिल्म है जिसे पूरा परिवार साथ बैठकर पसंद करेगा। उन्होंने कहा कि दर्शकों की हंसी, तालियां और सकारात्मक प्रतिक्रियाएं ही उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि हैं। फिल्म में खुशाली कुमार के अलावा महेश मांजरेकर, पीयूष मिश्रा, ओंकार कपूर, लैरिसा बोनेसी और अगू स्टेनली चिएदोजी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। कॉमेडी, रोमांस, संगीत और पारिवारिक भावनाओं से सजी यह फिल्म सभी आयु वर्ग के दर्शकों के लिए मनोरंजन का पैकेज पेश करती है। सकारात्मक समीक्षाओं और दर्शकों के उत्साह के बीच दुल्हनिया ले आएगी सिनेमाघरों में अपनी सफल यात्रा जारी रखे हुए है।

इन्हें जन्म कौन दे रहा है ? जेज जी की रील देख उल्टी आती है ... प्रदर्शनकारियों पर भड़की कंगना रनौत

कॉकरोच जनता पार्टी के नेतृत्व में चल रहे छात्र आंदोलन को लेकर राजनीति से लेकर बॉलीवुड तक लगातार प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। इसी बीच अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत ने आंदोलन में शामिल जेन जी युवाओं ले व्यवहार पर कड़ी नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि इन विरोध प्रदर्शनों से जुड़े वीडियो देखकर वह काफी परेशान हुई हैं और कुछ समय के लिए सोशल मीडिया से दूरी बनाने का फैसला किया है।

हाल ही में कंगना ने जेन जी छात्रों के प्रदर्शन से जुड़े वॉयरल वीडियो पर प्रतिक्रिया दी। यह प्रदर्शन दिल्ली के जंतर-मंतर पर तत्कालीन केंद्रीय शिक्षा मंत्री हाल धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर आयोजित किया गया था, जहां छात्रों ने अलग-अलग तरीकों से अपना विरोध दर्ज कराया।

जेन जी रील्स को देख भड़की कंगना : इस आंदोलन में सबसे बड़ी भागीदारी जेन जी युवाओं की रही। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद प्रदर्शन तो समाप्त हो गया लेकिन उससे जुड़े कई वीडियो और रील्स सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने लगे। इन्ही वायरल क्लिप्स को देखने के बाद कंगना ने कड़ी नाराजगी जाहिर की और जेन जी-प्रदर्शनकारियों के व्यवहार और भाषा पर सवाल उठाए।

सोशल मीडिया पर कंगना रनौत ने शेयर किया नोट- मैंने अपनी जिंदगी में कभी भी एक ही जगह इतनी बदसूरती नहीं देखी। जेन जी के इन प्रदर्शनों की रीलें देखकर उल्टी जैसा महसूस होता है। जिस तरह ये लोग बात करते हैं और जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल करते हैं, वैसा मैंने पहले कभी नहीं देखा। हर एक फ्रेम बेहद असहज और बेहद भद्दा लगता है। आखिर इन्हें जन्म कौन दे रहा है और इनकी परवरिश कौन कर रहा है ? भारत विविधताओं से भरा एक खूबसूरत देश है। यहां के लोग शालीनता, संस्कृति और सभ्यता की जड़ों से जुड़े हुए हैं। लेकिन जब आप खुद को कॉकरोच कहते हैं और आपका व्यवहार भी वैसा ही होता है तो उसमें कोई विरोधाभास नहीं है। आप रीलों को देखकर मैं मानसिक रूप से विचलित हो गई हूं। मुझे अब थोड़ी हीलिंग और डिजिटल डिटॉक्स की जरुरत है। अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक नोट शेयर करते हुए कंगना रनौत ने लिखा, 'मैंने कभी एक जगह इतनी भद्दी चीजें नहीं देखीं. जेन जी प्रदर्शनों के रील देखने लायक नहीं हैं. बोलने का तरीका और भाषा इतनी कच्ची और खराब है कि हर फ्रेम में असहज महसूस होता है. इन्हें जन्म कौन दे रहा है और पाल-पोस कौन रहा है?

'सनी देओल बोले- 'हर मां को समर्पित है बंटवारा 1947', इमोशनल पोस्ट ने जीता फैंस का दिल

इस साल की सबसे सबसे ज्यादा इंतजार की जा रही फिल्मों में शामिल बंटवारा 1947 का निर्माण आमिर खान प्रोडक्शंस ने किया है और इसका निर्देशन राजकुमार संतोषी ने किया है। यह बहुचर्चित ऐतिहासिक ड्रामा 14 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

आमिर खान प्रोडक्शंस की फिल्म बंटवारा 1947 इस वक्त इंडियन सिनेमा की सबसे ज्यादा इंतजार की जा रही फिल्मों में से एक है। फिल्म के ऐलान के बाद से ही इसे लेकर जबरदस्त बज बना हुआ है। राजकुमार संतोषी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में सनी देओल लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म के दमदार पोस्टर्स और अब तक आए दो शानदार टीजर इसकी इमोशनल कहानी की झलक दिखा चुके हैं। भारत के बंटवारे जैसे दर्दनाक दौर पर बनी यह फिल्म प्यार, त्याग और हिम्मत की एक दिल छू लेने वाली कहानी लेकर आ रही है।

कल ट्रेलर रिलीज होने से पहले सनी देओल ने सोशल मीडिया पर अपनी मां प्रकाश कौर के साथ एक प्यारी तस्वीर शेयर की। उन्होंने अपनी मां को अपनी सबसे बड़ी ताकत और सबसे बड़ा सहारा बताया। साथ ही बंटवारा 1947 को अपनी मां और दुनिया की हर मां को समर्पित करते हुए उनके बेपनाह प्यार, हिम्मत और अनगिनत त्याग को सलाम किया।

पोस्ट शेयर करते हुए सनी देओल ने लिखा, मेरी मां ही मेरा रब हैं। मेरा प्यार, मेरा हौसला, मेरी ताकत।

बंटवारा 1947 मैं अपनी मां और दुनिया की हर मां को समर्पित करता हूं।

इसके अलावा सनी देओल ने फिल्म को मिले अ सर्टिफिकेट पर खुशी जाहिर करते हुए पोस्ट शेयर कर लिखा है, हमें बेहद खुशी है कि (सेंसर बोर्ड) ने बंटवारा 1947 को बिना एक भी कट लगाए 'अ' सर्टिफिकेट दिया है। इंसानियत और प्यार की कहानी कहने वाली इस फिल्म को इस पार्टिशन डे, यानी 14 अगस्त से सिनेमाघरों में जरूर देखें।

बंटवारा 1947 एक ऐसी इमोशनल कहानी लेकर आ रही है, जो भारत के बंटवारे के दर्द और उससे जुड़े इंसानी जज्बातों को करीब से दिखाएगी। फिल्म मुश्किल हालात में भी प्यार, हिम्मत, त्याग और कभी हार न मानने वाले जज्बे की कहानी कहेगी। फिल्म में शबाना आजमी, सनी देओल, प्रीति जी जिंटा, करण देओल, अली फजल और अभिमन्यु सिंह जैसे दमदार कलाकार नजर आएंगे। खास बात यह है कि करीब 30 साल बाद राजकुमार संतोषी और सनी देओल की सुपरहिट जोड़ी फिर से साथ आ रही है।

बेटियों ने फिर बढ़ाया भारत का मान, ईशा सिंह ने स्वर्ण और मनु भाकर ने कब्जाया कांस्य पदक

एजेंसी/ हांगझोऊ (चीन): भारत की बेहतरीन पिस्टल निशानेबाज ईशा सिंह और मनु भाकर ने यहां आईएसएसएफ विश्व कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन में महिलाओं की 25मी पिस्टल स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए क्रमशः स्वर्ण और कांस्य पदक जीते। ईशा ने फाइनल में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए 40 हिट के साथ स्वर्ण पदक पक्का किया, जबकि पेरिस 2024 में दो ओलंपिक मेडल जीतने वाली मनु भाकर ने कड़े मुकाबले का सामना करते हुए एक अहम शूट-ऑफ जीता और 28 हिट के साथ कांस्य पदक हासिल किया। भारतीय टीम ने क्वॉलिफिकेशन राउंड में ही अपनी छाप छोड़ दी थी।

मनु भाकर 586-203 के शानदार स्कोर के साथ क्वॉलिफाइंग स्टैंडिग में टॉप पर रहीं, जबकि ईशा सिंह 585-183 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहीं और आसानी से आठ निशानेबाजों वाले फाइनल में जगह बनाई। एशियाई खेलों की पूर्व स्वर्ण पदक विजेता राही सरनोबत ने 582-163 का स्कोर किया, जबकि सिमरनप्रीत कौर बरार (576-203) और अभिदन्या अशोक पाटिल (573-163) ने रैंकिंग पॉइंट्स ओनली (आरपीओ) स्टेटस के तहत खेलते हुए अच्छा प्रदर्शन किया।

लोग चढ़ते सूरज को सलाम करते हैं: शहनाज गिल

मुंबई: शहनाज गिल ने बॉलीवुड में किसी का भाई, किसी की जान से बॉलीवुड डेब्यू किया था। फिल्म में सलमान खान लीड रोल में थे। इसके बाद शहनाज उसी साल थैंक्यू फॉर कमिंग में नजर आई थीं। तबसे लेकर अब तक शहनाज फिर किसी बॉलीवुड फिल्म में नजर नहीं आई हैं। अब, एक्ट्रेस ने इस बात पर खुलकर बात की है कि उन्हें बॉलीवुड से मिलने वाले ऑफर क्यों कम होने लगे हैं और क्यों वह अब पंजाबी फिल्में ज्यादा कर रही हैं।

शहनाज ने कहा, पंजाबी फिल्मों में मेरे लिए ज्यादा ऑप्शन हैं। सही कहा जाता है कि लोग चढ़ते सूरज को सलाम करते हैं। शहनाज ने कहा, अगर आप पॉपुलर हो जाते हो तो लोग आपके पास आएंगे और आपको अपनी फिल्मों में लेना चाहेंगे। मुझे पंजाबी फिल्मों में अच्छे लीड रोल मिल रहे हैं ।

कॉमनवेल्थ गेम्स में ज्ञानेश्वरी यादव की चांदी 199 केजी वजन उठाकर जीता सिल्वर मेडल

एजेंसी/ ग्लासगो: भारत की युवा वेटलिफ्टर ज्ञानेश्वरी यादव ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में कमाल कर दिया है। कॉमनवेल्थ गेम्स में पहली बार हिस्सा लेने वाली ज्ञानेश्वरी ने सोमवार को महिलाओं के 53 किलोग्राम वेटलिफ्टिंग इवेंट में सिल्वर मेडल जीता। उन्होंने स्नैच और क्लीन एंड जर्क कैटेगरी में कुल 199 किग्रा वजन उठाया। 23 वर्षीय ज्ञानेश्वरी का फाइनल में स्नैच में पहला अटेम्प्ट 82 किग्रा का था। उन्होंने दूसरे प्रयास में 82 किग्रा उठाया। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव की ज्ञानेश्वरी का तीसरा अटेम्प्ट 88 किग्रा का रहा। वहीं, भारतीय एथलीट का क्लीन एंड जर्क में पहला अटेम्प्ट 103 किग्रा का था। उनका दूसरा प्रयास में 107 किग्रा रहा। ज्ञानेश्वरी ने आखिरी अटेंप्ट में 111 किग्रा उठाया।

यह उनका क्लीन एंड जर्क में पर्सनल बेस्ट है। नाइजीरिया की ओनोमे दीदीह ने गोल्ड पर कब्जा जमाया। दीदीह ने 110 किग्रा

क्लीन एंड जर्क के साथ कॉमनवेल्थ गेम्स का रिकॉर्ड तोड़ा। दीदीह ने कुल 206 किग्रा वजन उठाया। उनका स्नैच में बेस्ट 93 किग्रा था। दीदीह और ज्ञानेश्वरी में सात किग्रा का अंतर रहा। कनाडा की वेटलिफ्टर रेबेका ग्रौल्क्स ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। उन्होंने कुल 176 किग्रा वजन उठाया

सचिन सिवाच क्वार्टर फाइनल में: दुनिया के पांचवें नंबर के मुक्केबाज सचिन सिवाच ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 में पुरुषों के 60 किग्रा भार वर्ग के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। राउंड ऑफ 16 के एक रोमांचक मुकाबले में सचिन ने इंग्लैंड के विलियम हेविट को स्प्लिट फैसले से पछाड़ दिया। अपनी इस जीत के साथ वह पदक के और करीब पहुंच गए।

बिंदियारानी ने 58 किग्रा में जीता कांस्य पदक: भारत की बिंदियारानी देवी ने भारोत्तोलन के महिला 58 किग्रा में कांस्य पदक जीता। बिंदियारानी ने स्नैच में 87 किलो और क्लीन एंड जर्क में 112 किलो वजन उठाया। इसके साथ ही उन्होंने कुल 199 किलो वजन उठाया।

साजन प्रकाश 200 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा के फाइनल में: भारत के अनुभवी तैराक साजन प्रकाश ने पुरुषों की 200 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। साजन ने हीट-2 में शानदार प्रदर्शन करते हुए 1:58:59 सेकंड के समय के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। तीनों हीट्स को मिलाकर उनका समय सातवां सबसे तेज रहा, जिसके दम पर उन्होंने सीधे फाइनल का टिकट कटाया।

श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम का ऐलान जडेजा की वापसी, सारांश जैन को पहली बार मौका

नई दिल्ली: भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने श्रीलंका के खिलाफ 15 अगस्त से शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम का ऐलान कर दिया है। टीम की कमान एक बार फिर शुभमन गिल के हाथों में रहेगी, जबकि केएल राहुल को उपकप्तान बनाया गया है।

टीम चयन की सबसे बड़ी खबर अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा की टेस्ट टीम में वापसी रही। चोट के कारण लंबे समय से बाहर चल रहे जडेजा को फिट होने के बाद टीम में शामिल किया गया है। वहीं तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और बल्लेबाज साई सुदर्शन को भी टीम में जगह मिली है, हालांकि दोनों की उपलब्धता फिटनेस

क्लीयरेंस पर निर्भर करेगी।

इस दौरे के लिए मध्य प्रदेश के 33 वर्षीय ऑफ स्पिन ऑलराउंडर सारांश जैन को पहली बार भारतीय टेस्ट टीम में चुना गया है। घरेलू क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन का इनाम उन्हें राष्ट्रीय टीम में चयन के रूप में मिला है। वॉशिंगटन सुंदर की अनुपलब्धता के कारण चयनकर्ताओं ने सारांश पर भरोसा जताया है।

भारत और श्रीलंका के बीच दो टेस्ट मैचों की यह सीरीज 15 अगस्त से गॉल में शुरू होगी और यह आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-27 का हिस्सा होगी।

भारतीय टेस्ट टीम : शुभमन गिल (कप्तान), केएल राहुल (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), साई सुदर्शन*, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, मानव सुथार, जसप्रीत बुमराह*, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, सारांश जैन, देवदत्त पडिक्कल।

न्यूज ब्रीफ

नई ब्रांड पहचान के जरिए सकारात्मक सोच का संदेश

रांचीः बदलते उपभोक्ता रुझानों के बीच कंपनियां अब अपने ब्रांड अभियानों को सामाजिक संदेशों से भी जोड़ रही हैं। इसी कड़ी में 'रंग बना रहे' अभियान के साथ बर्जर पेंट्स ने अपनी नई ब्रांड पहचान पेश की है। कंपनी के अनुसार यह पहल केवल पेंट के रंगों को लंबे समय तक सुरक्षित रखने तक सीमित नहीं है, बल्कि जीवन की चुनौतियों के बीच लोगों की पहचान, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच को बनाए रखने का संदेश भी देती है। बर्जर पेंट्स के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी अभिजीत रॉय ने कहा कि यह अभियान रंगों को सुरक्षित रखने के कंपनी के वादे को लोगों के जीवन से जोड़ने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि कंपनी का उदेश्य बेहतर उत्पाद उपलब्ध कराने के साथ ग्राहकों के साथ भावनात्मक जुड़ाव को भी मजबूत करना है।

चढ़ावा चोरी मामले की जांच करेगी नई एसआईटी, सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर यूपी सरकार ने किया गठन

नई दिल्लीः अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर ट्रस्ट के चढ़ावा चोरी मामले में सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान यूपी सरकार की ओर से पैरवी करते हुए सॉलिसिटर जनरल (एसजी) तुषार मेहता ने बताया कि मामले की पारदर्शी जांच के लिए दोबारा एसआईटी बना दी गई है। सुप्रीम कोर्ट के पिछले निदेर्शों का पालन करते हुए इस नई एसआईटी की कमान वरिष्ठ अधिकारियों को सौंपी गई है। लखनऊ रेंज के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) किरण एस इस एसआईटी के प्रमुख बनाए गए हैं। तीन सदस्यीय एसआईटी में आईजी किरण एस के अलावा दो और सीनियर आईपीएस अधिकारियों को शामिल किया गया है। इनमें अयोध्या रेंज के उप पुलिस महानिरीक्षक (डीआईजी) सोमेन बर्मा और अयोध्या के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) गौरव ग्रोवर शामिल हैं। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी मोहना की बैंच ने इस दौरान सुझाव दिया कि वित्तीय गड़बड़ियों की जांच के लिए टीम में किसी चार्टर्ड अकाउंटेंट को भी शामिल किया जाना चाहिए। अदालत के इस सुझाव पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सहमति जताई और अदालत को भरोसा दिलाया कि एसआईटी में एक चार्टर्ड अकाउंटेंट को भी शामिल किया जाएगा।

कोर्ट ने जांच पर स्टेटस रिपोर्ट जमा करने का निर्देश दिए हैं। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के वकील ने अदालत से मांग रखी कि राम मंदिर ट्रस्ट को मिली सभी रसीदों को क्षेत्रवार वेबसाइट पर सार्वजनिक किया जाए, ताकि आम जनता को इसकी पूरी जानकारी मिल सके। उन्होंने कहा कि यह कोई विरोधात्मक याचिका नहीं है, बल्कि पारदर्शिता के लिए जरूरी है। याचिकाकर्ताओं की ओर से सीनियर एडवोकेट देवदत्त कामत ने कहा कि देश भर से लोग सौ, पांच सौ, हजार रुपए देते हैं। उनका ब्यौरा भी ट्रस्ट की वेबसाइट पर होना चाहिए। इस पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने याचिकाकर्ता के सुझाव का विरोध किया और कहा कि इस नाजुक मामले को बिना मतलब सनसनीखेज न बनाया जाए। फिलहाल सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार की गठित की गई एसआईटी में नियुक्त किए गए तीन आईपीएस अधिकारियों को रिकॉर्ड पर लिया। साथ ही कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि अगली सुनवाई पर इस मामले में एसआईटी अपनी जांच की स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करेगी। मामले की सुनवाई अब दो हफ्ते बाद होगी।

प्रेम विवाह का दर्दनाक अंत ,पति की ह/त्या के 5 दिन बाद रेलवे ट्रैक पर मिली पत्नी की लाश

पश्चिम चंपारण : बिहार के पश्चिम चंपारण जिले के मनुआपुल थाना क्षेत्र में पति की हत्या के महज पांच दिन बाद उसकी पत्नी का शव रेलवे ट्रैक पर पड़ा हुआ मिला है। पुलिस सूत्रों ने सोमवार को बताया कि बेतिया-नरकटियागंज रेलखंड में कुड़िया कोठी के पास रेलवे ट्रैक पर एक युवती का शव पड़ा होने की सूचना स्थानीय लोगों ने दी।

सूचना मिलते ही रेल पुलिस और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची तथा शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सरकारी चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल (जीएमसीएच) भेज दिया। मृतक की पहचान मेहदियाबारी निवासी स्वर्गीय असलम हुसैन की पत्नी रानी खातून (22) के रूप में की गई है। परिजनों के अनुसार, प्रेम विवाह के बाद रानी अपने पति के साथ मेहदियाबारी स्थित अपनी नानी सैयदा खातून के घर रह रही थी। ध्यान देने की बात है कि पिछले बुधवार को उसके पति असलम हुसैन की गला रेतकर हत्या कर दी गई थी।

पति की मौत के बाद गहरे सदमे में थी रानीः पति की मौत के बाद से रानी गहरे सदमे और मानसिक तनाव में थी। परिजनों का कहना है कि अवसाद के कारण उसने यह कदम उठाया होगा। पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच पूरी होने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। उल्लेखनीय है कि असलम हुसैन का शव बेतिया-चनपटिया मुख्य मार्ग पर एक सरकारी स्कूल के समीप सड़क किनारे बरामद हुआ था।

चंबा के लाहड़ में भीषण सड़क हादसा

3 माह के नवजात सहित एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत

बनीखेतः चंबा-पठानकोट एनएच पर लाहड़ के समीप एक कार के गहरी खाई में जा गिरने से पांच लोगों की मौत हो गई। मृतकों में एक तीन माह का नवजात भी शामिल है। दुर्घटना में मारे गए सभी लोग एक ही परिवार के सदस्य थे। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु सिविल अस्पताल डलहौजी भिजवा दिया है और मामला दर्ज कर दुर्घटना की विस्तृत कारणों की जांच आरंभ कर दी है।

जानकारी के अनुसार गेहरा गांव के एक ही परिवार के पांच लोग चंडीगढ़ से वापस घर लौट रहे थे। इसी दौरान देर रात लाहड़ के पास उनकी कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। देर रात पेश आई दुर्घटना का पता मंगलवार सवेरे लग पाया। लोगों ने जब कार को खाई में गिरा देखा, तो तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पाते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर बचाव कार्य आरंभ कर शवों को खाई से बाहर निकाला। उधर, एसपी चंबा विजय कुमार सकलानी ने घटना की पुष्टि की है।

53 मील में रेलिंग तोड़ पुल के नीचे जा गिरा 16 टायरी ट्रक, 2 लोगों की मौके पर मौत

कांगड़ाः पठानकोट-मंडी राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोमवार देर रात 53 मील के पास एक बड़ा हादसा पेश आया है। यहां 53 मील और खोली को जोड? वाले पुल पर 16 टायरी ट्रक पुल की रेलिंग को तोड़ता हुआ नीचे खड्ड में जा गिरा, जिसमें 2 लोगों की मौत हो गई, जबकि चालक फरार हो गया।

जानकारी के अनुसार ट्रंक पंजाब नंबर का है, जिसमें चालक सहित कुल तीन लोग सवार थे। जब ट्रक पुल से गुजर रहा था, उसी समय यह हादसा पेश आया। मौके पर पहुंचे लोगों के अनुसार ट्रक में चालक समेत कुल तीन लोग थे, जिसमे से दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चालक फरार हो गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

अमेरिका के पास हथियार खत्म नहीं हुए, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खारिज की मीडिया रिपोर्ट्स

एजेंसी/ वाशिंगटनः राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान के साथ तनाव के बीच अमरीका के हथियार खत्म नहीं हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे पास दुनिया में सबसे ज्यादा हथियार हैं, जरूरत से भी ज्यादा। ट्रंप का यह बयान उन मीडिया रिपोर्ट्स के बाद आया है, जिनमें कहा गया था कि ईरान के साथ लगातार टकराव की वजह से अमेरिका के पैट्रियट इंटरसेप्टर मिसाइलों का भंडार घट रहा है।

बयान के तुरंत बाद ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर कई एआई तस्वीरें शेयर कीं। एक तस्वीर में ईरान के सबसे बड़े तेल निर्यात केंद्र खार्ग आइलैंड पर हवाई हमला दिखाया गया। इसके साथ उन्होंने लिखा- स्ट्राइक ऑन खार्ग। इसके बाद उन्होंने कुछ और एआई तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनमें एक ईरानी तेल टैंकर पर अमरीकी झंडा नजर आ रहा है। एक दूसरी तस्वीर में जहाज को उड़ता हुआ दिखाया गया, जिसके साथ लिखा था- नो मोर इंजन्स।

ईरान बोला, अमेरिका तय नहीं करेगा कब जंग हो और कब युद्ध विरामः ईरान संसद के उपाध्यक्ष हमीदरेजा हाजीबाबाई ने कहा है कि अमेरिका यह तय नहीं कर सकता कि वह कब युद्ध शुरू करेगा और कब युद्धविराम की घोषणा करेगा। उन्होंने कहा कि ईरान ऐसा कभी नहीं होने देगा। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच कभी कोई समझौता नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि अमेरिका का युद्ध भी युद्ध है, उसकी शांति भी युद्ध है और उसका संवाद भी युद्ध है। इसलिए हमें हर समय सतर्क रहना होगा। वहीं ईरान ने बुल्गारिया को अमेरिकी वायुसेना के विमान तैनात करने के फैसले पर कड़ी चेतावनी दी है।

ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने सोमवार को कहा कि बुल्गारिया के नेताओं को इस फैसले की कीमत चुकानी पड़ेगी और उन्हें इसके लिए जवाबदेह ठहराया जाएगा। बघाई ने आरोप लगाया कि अगर बुल्गारिया अपने यहां अमेरिकी विमान तैनात करता है, तो वह अमेरिका और इजराइल की सैन्य कार्रवाई का साझेदार माना जाएगा।

धर्मेंद्र प्रधान का स्वागत, कांग्रेस भड़की, इस्तीफे के बाद संसद पहुंचने पर पगड़ी पहनाकर ले गए बीजेपी- एनडीए सांसद

नई दिल्ली (एजेंसी): कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के पेपर लीक के खिलाफ 36 दिन के विरोध प्रदर्शन के बाद शनिवार को धर्मेंद्र प्रधान ने शिक्षा मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद सोमवार को वह पहली बार संसद भवन पहुंचे। संसद भवन के गेट पर ही बीजेपी और एनडीए के अन्य सांसदों ने उनका जोरदार स्वागत किया। उन्होंने धर्मेंद्र प्रधान जिंदाबाद के नारे लगाए और फिर पगड़ी पहनाकर सदन के अंदर ले गए। विपक्ष एक तरफ प्रधान के इस्तीफे को सरकार की हार के रूप में पेश कर रहा है, तो वहीं सरकार इसे अपनी संवेदनशीलता और जनता की आवाज सुनने की मिसाल बता रही है। दोनों ही इसे भुनाने में लग गए हैं। कांग्रेस की मांग थी कि सदन में पेपर लीक को लेकर चर्चा तब तक नहीं होगी, जब तक कि धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा नहीं देंगे। शनिवार को उनके इस्तीफे के बाद विपक्ष ने भी अपनी रणनीति बना ली है और अब वह सरकार को छात्रों पर लाठीचार्ज के मुद्दे पर घेर रही है। वहीं धर्मेंद्र प्रधान के इस तरह स्वागत पर कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने इसको लेकर एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि आज बीजेपी सांसद पूर्व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का स्वागत ऐसे कर रहे हैं, मानो उन्होंने कोई बड़ी उपलब्धि हासिल की हो। देश ने पहले भी देखा कि प्रधान ने अपने इस्तीफे में पेपर लीक के लिए माफी मांगने की बजाय छात्रों को ही गुमराह होने का आरोप लगाया था। उसके बाद सभी केंद्रीय मंत्रियों ने सोशल मीडिया पर प्रधान के लिए वाहवाही की। जयराम रमेश ने कहा कि हमारा मानना है कि यह पूरा घटनाक्रम अत्यंत शर्मनाक है और देश के युवाओं का घोर अपमान है। वहीं संसद परिसर में प्रधान के स्वागत के बारे में पूछे जाने पर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि ये वही लोग हैं, जिन्होंने बिलकिस बानो मामले में बलात्कार के दोषियों का भी स्वागत किया था, इसलिए इन्हें छोड़ दीजिए। प्रधान आरएसएस के नायक हैं, क्योंकि उन्होंने शिक्षा मंत्रालय के माध्यम से आरएसएस के एजेंडे को लागू किया। इसलिए वह उनके नायक हैं। लेकिन जहां तक प्रधान का सवाल है, लोग अब उनका असली चेहरा जान चुके हैं, जैसा कि हम सोशल मीडिया और सडकों पर देख सकते हैं।

पीएम मोदी का वीडियो फेसबुक से हटने पर मेटा ने मांगी माफी, कहा- गलती से हुई चूक

नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वीडियो को फेसबुक से कुछ समय के लिए हटाए जाने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। हालांकि, मेटा ने इस घटना पर माफी मांग ली है और कंपनी के प्रवक्ता ने वीडियो हटने की वजह तकनीकी गड़बड़ी को बताया है। सूत्रों के अनुसार, केंद्र सरकार इस पूरे मामले को बेहद गंभीरता से देख रही है और इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने मेटा और इंस्टाग्राम के ग्लोबल हेड को समन किया है। सरकार इस बात की जांच करना चाहती है कि आखिर किस वजह से प्रधानमंत्री के आधिकारिक वीडियो तक लोगों की पहुंच अचानक रोक दी गई। सरकार का मानना है कि इस तरह की घटना को हल्के में नहीं लिया जा सकता, इसलिए संबंधित अधिकारियों से जवाब मांगा जाएगा। यह मामला 28 जुलाई की तड़के सामने आया, जब मेटा के स्वामित्व

वाले फेसबुक पर भारतीय यूजर्स कुछ समय के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वीडियो नहीं देख पाए। वीडियो खोलने की कोशिश करने पर यूजर्स को एक स्वचालित संदेश दिखाई दिया, जिसमें लिखा था कि कानूनी अनुरोध के कारण भारत में इस वीडियो की पहुंच सीमित कर दी गई है। इससे सोशल मीडिया पर कई तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। हालांकि, बाद में मेटा ने इस घटना पर खेद जताते हुए कहा कि यह किसी कानूनी कार्रवाई का परिणाम नहीं था, बल्कि एक तकनीकी गड़बड़ी के कारण ऐसा हुआ। कंपनी ने माफी मांगते हुए स्थिति को जल्द सामान्य कर दिया। गौरतलब है कि यह वीडियो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सेल्फी फॉर्मेट में रिकॉर्ड किया गया संदेश था, जिसमें उन्होंने पेपर लीक विवाद और इस मुद्दे पर होने वाली केंद्रीय मंत्रिमंडल (कैबिनेट) की आगामी कार्रवाई को लेकर खासतौर पर देश के जेन-जी युवाओं को संबोधित किया था।

बता दें कि यही वीडियो इंस्टाग्राम पर 24 घंटे के भीतर 300 मिलियन से अधिक बार देखा गया, जबकि फेसबुक पर कुछ समय के लिए इसकी पहुंच सीमित हो गई थी। अब इस पूरे घटनाक्रम को लेकर केंद्र सरकार की नजर मेटा की कार्यप्रणाली पर है, और माना जा रहा है कि कंपनी के अधिकारियों से इस संबंध में विस्तृत स्पष्टीकरण मांगा जा सकता है।

पेरिस की सड़क पर सनकी चाकूबाज का खूनी खेल गर्भवती समेत 3 महिलाओं को बेरहमी से गोदा

पेरिसः फ्रांस की राजधानी पेरिस की एक शांत सुबह उस समय चीख-पुकार और दहशत में बदल गई, जब सड़क पर चल रही तीन बेकसूर महिलाओं को एक सनकी चाकूबाज ने खून से लथपथ कर दिया। इस दिल दहला देने वाले हमले का शिकार हुई महिलाओं में एक गर्भवती भी शामिल है, जिसकी बर्बरता देख मौके पर मौजूद लोगों के रोंगटे खड़े हो गए। हमलावर के दोनों हाथों में बेहद नुकीले चाकू थे और वह लगातार चीख रहा था कि वह अल्लाह का सिपाही है और उसे लोगों को मारने का फरमान मिला है। दिनदहाड़े हुई इस सनसनीखेज वारदात के बाद पूरे इलाके में भारी दहशत का माहौल है और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

सूटकेस फेंककर भीड़ ने दबोचा, ऑफ-ड्यूटी पुलिसकर्मी ने दिखाया साहसः उत्तरी पेरिस के पोर्ते दि क्लिची इलाके में हुई इस खौफनाक वारदात के चश्मदीद मोहम्मद अली बुहादजार ने बताया कि हमलावर एक महिला पर पीछे से बेरहमी से वार कर रहा था। यह दृश्य देखकर जब उन्होंने जोर-जोर से चिल्लाना शुरू किया, तो आसपास के लोग सतर्क हो गए। खुद को घिरता देख आरोपी ने भागने की कोशिश की, लेकिन तभी एक बहादुर राहगीर ने उसके ऊपर भारी सूटकेस फेंक कर मारा, जिससे उसके हाथ से चाकू छूटकर जमीन पर गिर गया। इसके बाद गुस्साए लोगों ने उसे वहीं जमीन पर पटक कर दबोच लिया। मौके पर संयोग से एक ऑफ-ड्यूटी पुलिस अधिकारी भी मौजूद था, जिसने बिना अपनी जान की परवाह किए तुरंत एक्शन लिया और आरोपी को हिरासत में लेकर थाने पहुंचा दिया।

कोर्ट में भी नहीं दिखा कोई पछतावा, पुलिस को मानसिक बीमारी का शकः गिरफ्तारी के बाद जब इस सनकी हमलावर को अदालत में पेश किया गया, तो उसके चेहरे पर इस बर्बरता के लिए कोई पछतावा नहीं दिखा। कोर्ट में भी उसने अपनी वही भड़काऊ बात दोहराते हुए कहा कि उसे ऐसा करने का सीधा आदेश मिला था। हालांकि, पेरिस पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि आरोपी गिरफ्तारी के समय अजीबोगरीब और उलटी-सीधी बातें बड़बड़ा रहा था। उसके पास से बरामद दोनों चाकू इतने खतरनाक थे कि किसी की भी जान ले सकते थे। शुरूआती जांच और उसके असंतुलित व्यवहार को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियों को शक है कि हमलावर मानसिक रूप से बीमार हो सकता है। फिलहाल पुलिस इस बात की गहराई से तफ्तीश कर रही है कि उसने जानबूझकर केवल महिलाओं को ही अपना शिकार क्यों बनाया।

पश्चिमी देशों में लगातार बढ़ रहे हैं ऐसे खौफनाक हमलेः सार्वजनिक स्थानों पर आम नागरिकों को निशाना बनाने का यह कोई पहला मामला नहीं है। बीते दिनों अमेरिका में भी एक शख्स ने अल्लाह हू अकबर के नारे लगाते हुए राह चलती महिलाओं पर इसी तरह का अचानक हमला कर दिया था, जिसमें कम से कम पांच महिलाएं बुरी तरह घायल हो गई थीं। इसके अलावा, हाल ही में अमेरिका के सिएटल में एक फूड फेस्टिवल के दौरान हुई अंधाधुंध गोलीबारी में भी दो मासूम लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी।

टिकट कैंसिल करने पर कितनी होती है रेलवे की कमाई? रेल मंत्री ने संसद में खोला बड़ा राज

नई दिल्लीः भारतीय रेलवे टिकट कैंसिल होने और बिना रद्द कराए गए वेटिंग टिकटों के जब्त किराए से हर साल भारी कमाई करता है, लेकिन इसका कोई अलग से जोन-वार रिकॉर्ड नहीं रखा जाता है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राज्यसभा में एक सवाल का लिखित जवाब देते हुए यह अहम जानकारी साझा की है। इसके साथ ही उन्होंने सामान्य ट्रेनों के मुकाबले वंदे भारत स्लीपर और अमृत भारत एक्सप्रेस जैसी प्रीमियम ट्रेनों के लिए टिकट कैंसिलेशन और रिफंड के बिल्कुल अलग नियमों की भी विस्तृत जानकारी दी।

संसद में सांसद के सवाल पर रेल मंत्री का खुलासाः कांग्रेस सांसद चंद्रकांत हंडोरे ने राज्यसभा में पिछले तीन सालों के दौरान टिकट कैंसिलेशन शुल्क और वेटिंग टिकटों से रेलवे को जोन-वार हुई आय का ब्योरा मांगा था। उन्होंने कैंसिलेशन शुल्क के जरिए रेलवे द्वारा भारी राशि जुटाने पर चिंता भी जताई थी। इस पर स्थिति स्पष्ट करते हुए रेल मंत्री ने बताया कि रेलवे इस आय का जोन के हिसाब से अलग ब्योरा मेंटेन नहीं करता है। उन्होंने सदन को बताया कि सामान्य ट्रेनों और नई प्रीमियम ट्रेनों के रिफंड नियमों में बड़ा अंतर है, जिसे यात्रियों के लिए जानना बेहद जरूरी है।

सामान्य ट्रेनों में टिकट रद्द करने पर कटता है इतना चार्जः सामान्य ट्रेनों के नियमों के मुताबिक, अगर कोई कंफर्म टिकट ट्रेन रवाना होने से 48 घंटे पहले कैंसिल कराया जाता है, तो क्लास के हिसाब से तय राशि काटी जाती है। इसमें फर्स्ट एसी के लिए 240 रुपये, सेकेंड एसी के लिए 200 रुपये, थर्ड एसी के लिए 180 रुपये, स्लीपर के लिए 120 रुपये और रिजर्व्ड सेकेंड क्लास के लिए 60 रुपये का शुल्क लागू होता है। वहीं, ट्रेन छूटने से 48 घंटे से लेकर 12 घंटे पहले तक टिकट रद्द करने पर किराए का 25 प्रतिशत और 12 घंटे से 4 घंटे पहले तक कैंसिल कराने पर 50 प्रतिशत हिस्सा काट लिया जाता है। ट्रेन रवाना होने के 4 घंटे से कम समय पहले कंफर्म टिकट रद्द कराने पर कोई रिफंड नहीं मिलता है, जबकि वेटिंग या आरएसी टिकटों को 30 मिनट पहले तक कैंसिल कराने पर 60 रुपये प्रति यात्री क्लर्केज फीस काटी जाती है।

वंदे भारत स्लीपर और अमृत भारत एक्सप्रेस के लिए तीन नए स्लैबः रेल मंत्री ने बताया कि वंदे भारत स्लीपर और नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों के कंफर्म टिकट कैंसिलेशन के लिए तीन अलग स्लैब बनाए गए हैं। इन ट्रेनों में रवाना होने से कम से कम 72 घंटे पहले टिकट कैंसिल कराने पर किराए का 25 प्रतिशत हिस्सा कटता है। वहीं, 72 घंटे से लेकर 8 घंटे पहले तक टिकट रद्द करने पर 50 प्रतिशत किराया जब्त हो जाता है, जबकि 8 घंटे से कम समय में कैंसिलेशन पर कोई रिफंड नहीं दिया जाता।

कालाबाजारी रोकने के लिए बनाए गए सख्त नियमः प्रीमियम ट्रेनों के लिए अलग और सख्त नियम बनाने के पीछे का तर्क देते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यह कदम असामाजिक तत्वों द्वारा फर्जी या सट्टेबाजी वाली बुकिंग को रोकने के लिए उठाया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि इस नई व्यवस्था से अमृत भारत एक्सप्रेस के स्लीपर क्लास के कंफर्म टिकटों के लिए कुछ दूरी पर न्यूनतम कैंसिलेशन चार्ज सामान्य ट्रेनों के मुकाबले कम हो गया है। हालांकि, इन प्रीमियम ट्रेनों में भी वेटिंग या आरएसी टिकटों के नियमों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

न्यूज IN ब्रीफ

वज्रपात का कहर, खेत में काम कर रहे छात्र की मौत

मेदिनीनगर : तरहसी थाना क्षेत्र के भालोगाड़ी गांव में सोमवार शाम को आकाशीय बिजली गिरने से 19 वर्षीय 12वीं के छात्र लड्डू कुमार की मौत हो गई। वह अपने खेत में बादाम की फसल लगा रहे थे। इसी दौरान बारिश शुरू होने पर खेत से निकलने के क्रम में वज्रपात की चपेट में आ गए। परिजन उन्हें इलाज के लिए मेदिनीनगर स्थित एमएमसीएच ले गए, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है।

साहिबगंज रेलवे स्टेशन का अपना वर्षों पुराना इतिहास रहा है : सुनील

साहिबगंज : पूर्व रेलवे कोलकाता के महाप्रबंधक मिलिंद देउस्कर सोमवार को विशेष सैलून यान से साहिबगंज पहुंचे जहां वे कई कार्यक्रमों में शामिल हुए।उधर कार्यक्रम में शामिल होने के बाद साहिबगंज रेलवे स्टेशन पहुंचने पर मालदा रेलमंडल के डीआरयूसीसी के सदस्य सह जदयू जिला अध्यक्ष सुनील सिंन्हा ने महाप्रबंधक से मुलाकात करते हुए साहिबगंज रेलवे स्टेशन जुड़ी जनहित की प्रमुख समस्याओं व विकास कार्यों पर विस्तृत चर्चा करते हुए उसमें अपेक्षित सुधार करने की मांग की गई।जहां उन्होंने कहा कि साहिबगंज रेलवे स्टेशन का अपना वर्षों पुराना इतिहास रहा है। जहां रेल यात्रियों की सुविधाओं,स्टेशन के समग्र विकास,लंबित कार्यों और क्षेत्र की आवश्यकताओं को उन्होंने प्रमुखता से उठाया।वही उन्होंने मांग किया कि साहिबगंज से रांची के लिए सीधी ट्रेन,साहिबगंज से टाटा नगर के लिए सीधी ट्रेन,प्लेटफार्म नंबर 2 पर काफी समय से लंबित फुट ओवरब्रिज का निर्माण कार्य जल्द से जल्द पूरा करवाने समेत अन्य कई प्रमुख मांगो को गंभीरता से उठाते हुए इसपर ध्यान देने की बात कही।जहां इस मौके पर पूर्व रेलवे कोलकाता के महाप्रबंधक मिलिंद देउस्कर ने सभी विषयों को गंभीरता से सुना और सकारात्मक पहल करने का भरोसा डीआरयूसीसी सदस्य सुनील सिंहा को दिया।

एसआईआर को लेकर कांग्रेस ने की समीक्षा बैठक

हुसैनाबाद : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी की प्रदेश सचिव सह हुसैनाबाद विधानसभा प्रभारी पूर्णिमा पांडेय ने हुसैनाबाद में संगठन के पदाधिकारियों के साथ एसआईआर (मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण) की समीक्षा बैठक की। उन्होंने मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान की प्रगति की समीक्षा करते हुए कार्यकताओं से घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करने तथा किसी भी पात्र मतदाता का नाम सूची से नहीं कटने देने का आह्वान किया। उन्होंने बूथ स्तर तक अभियान को प्रभावी बनाने और मतदाता संबंधी शिकायतों के त्वरित समाधान के निर्देश दिए। बैठक में प्रखंड अध्यक्ष शैलेश सिंह, जिला उपाध्यक्ष नवल किशोर पाठक, जिला सचिव सुनीता श्रीवास्तव, सतीश कुमार चौबे, मालती देवी, अम्बिका सिंह, सुधीर सिंह, सुरेंद्र पासवान सहित कई कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद थे।

डीएफओ सभा आलम अंसारी ने दिया उत्कृष्ट सम्मान

संवाददाता : दैनिक मजदूरी करने वाले पिता की बेटी सीता कुमारी ने अपने कला से पूरे डिमना क्षेत्र में हर घर को सोहराय पेंटिंग से सुसज्जित करने का कार्य अपने टीम के साथ किया है ,उनके कार्य की सराहना करते हुए जमशेदपुर के डीएफओ सभा आलम अंसारी के द्वारा उनके कार्य की प्रशंसा करते हुए सीता कुमारी के साथ-साथ पूरे टीम को उत्कृष्ट कार्य हेतु अप्रिशिएसन सर्टिफिकेट दिया गया ,ताकि वे अपने आगे के कार्य को बिना किसी रूकावट के कर सके और उनका भविष्य उज्जवल हो। बताते चलें की एक गांव में लगभग 140 घर है वहीं इन युवाओं ने कल 6 गांव को अब तक सुसज्जित किया है अभी भी आगे का कार्य कुछ बाकी है जिसमें लगभग और तीन गांव शामिल है।

साहिबगंज पहुंचे हावड़ा पूर्वी जोन के जीएम मिलिंद देउस्कर

साहिबगंज : पूर्वी रेलवे हावड़ा जोन के जेनरल मैनेजर मिलिंद देउस्कर एक दिवसीय दौरे पर सोमवार को साहिबगंज पहुंचे। जीएम ने साहिबगंज रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। उसके बाद पूर्वी रेलवे हाई स्कूल के जीर्णोद्धार का उद्घाटन किया।
दरअसल, रेलवे स्कूल बंद होने की कगार पर था लेकिन स्कूल को सीबीएससी मान्यता के साथ चालू किया गया है और लड़कियों का नामांकन वर्ग एक से चार तक लिया जा रहा है। इस दौरान उन्होंने स्कूल पहुंचकर जायजा लिया। जीएम ने विधि व्यवस्था के साथ, पौधारोपण किया और छात्रों के लिए बनी कंप्यूटर क्लास रूम का जायजा लिया। इससे पहले जेनरल मैनेजर मिलिंद देउस्कर का रेलवे हाई स्कूल में पहुंचते ही छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम पर अपने अतिथियों का स्वागत किया। स्कूल की प्रगति देख पूर्वी रेलवे हावड़ा जोन के जीएम खुश हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि रेलवे स्कूल का अपना अलग इतिहास रहा है, इसे बरकरार रखना है। जीएम ने प्रेस वार्ता करके बताया कि सालों से मांग की जा रही थी कि जिला मुख्यालय के पश्चिमी रेलवे फाटक पर आरओबी बनाया जाए क्योंकि राजनीतिक पार्टी और समाजसेवियों की तरफ से भी ऐसी ही डिमांड की जा रही थी, जिसे देखते हुए पश्चिमी रेलवे फाटक पर आरओबी का टेंडर हो चुका है। जिला प्रशासन से स्वीकृति मिलने के साथ कार्य शुरू हो जाएगा।

देवघर-बासुकीनाथ में सुरक्षा के अभेद इंतजाम, सोमवार की भीड़ से निपटने के लिए पुलिस को विशेष प्रशिक्षण

संवाददाता

देवघर : विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला 2026 को लेकर जिला प्रशासन के साथ-साथ झारखंड पुलिस ने भी सुरक्षा के व्यापक इंतजाम पूरे कर लिए हैं। इस वर्ष श्रद्धालुओं की भारी भीड़ और संभावित सुरक्षा चुनौतियों को देखते हुए देवघर और बासुकीनाथ धाम में सुरक्षा व्यवस्था पहले से कहीं अधिक मजबूत की गई है। पूरे मेला क्षेत्र में करीब 12 हजार पुलिस बल तैनात किए जाएंगे, जबकि कई आईपीएस और डीएसपी स्तर के अधिकारियों की भी विशेष प्रतिनियुक्ति की गई है।

श्रावणी मेले के दौरान पुलिस की जिम्मेदारी सबसे अहम होती है। यही वजह है कि वरिष्ठ पुलिस अधिकारी लगातार जवानों को आवश्यक दिशा-निर्देश दे रहे हैं। हाल ही में झारखंड की डीजीपी तदाशा मिश्र ने स्वयं देवघर और बासुकीनाथ मेला क्षेत्र का निरीक्षण कर सुरक्षा तैयारियों का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

संथाल परगना डीआईजी अंबर लकड़ा ने बताया कि इस बार सुरक्षा व्यवस्था में आधुनिक तकनीक का भी इस्तेमाल किया जाएगा। पुलिस जवानों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित

भीड़ प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया गया है। वहीं, दफकोड सिस्टम के माध्यम से पूरे मेला क्षेत्र की गतिविधियों पर नजर रखी जाएगी। यदि किसी स्थान पर अचानक श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ती है, तो इसकी सूचना तुरंत कंट्रोल रूम और आसपास मौजूद पुलिस अधिकारियों तक पहुंचाई जाएगी, ताकि समय रहते स्थिति को नियंत्रित किया जा सके।

12 हजार पुलिस जवान रहेंगे तैनात

डीआईजी ने बताया कि केवल श्रद्धालुओं की सुरक्षा ही नहीं, बल्कि ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों के आवास, भोजन और अन्य आवश्यक सुविधाओं की भी विशेष व्यवस्था की गई है। इसके लिए जिला प्रशासन ने अलग-अलग स्थान चिन्हित किए हैं, ताकि जवान बिना किसी परेशानी के अपनी जिम्मेदारी निभा सकें।

उन्होंने कहा कि श्रावणी मेले में विशेषकर सोमवार को श्रद्धालुओं की संख्या कई गुना बढ़ जाती है। ऐसे समय में भीड़ को नियंत्रित करना सबसे बड़ी चुनौती होती है। इसी को ध्यान में रखते हुए पुलिसकर्मियों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया है कि अचानक भीड़ बढ़ने या आपात स्थिति बनने पर किस तरह शांतिपूर्वक और व्यवस्थित तरीके से हालात को संभालना है। इस वर्ष सुरक्षा एजेंसियां किसी भी तरह का जोखिम नहीं लेना चाहतीं।

पिछली बार की तुलना में और सख्त होगी सुरक्षा

पिछले कुछ महीनों में मिले सुरक्षा इनपुट और संभावित खतरों को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सख्त बनाया गया है। इसी के तहत मोबाइल फोन लेकर श्रद्धालुओं के मंदिर में प्रवेश पर रोक लागू रहेगी। पुलिस को यह भी जिम्मेदारी सौंपी गई है कि मोबाइल प्रतिबंध के बावजूद श्रद्धालुओं और उनके परिजनों के बीच समन्वय बना रहे और किसी को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

कुल मिलाकर, इस बार श्रावणी मेला केवल भारी पुलिस बल के भरोसे नहीं बल्कि अक तकनीक, दफ आधारित मॉनिटरिंग और बेहतर समन्वय के जरिए सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाने की तैयारी की गई है। पुलिस के सामने बड़ी जिम्मेदारियों के साथ छोटी-छोटी व्यवस्थाओं पर भी समान रूप से ध्यान देने की चुनौती रहेगी, ताकि बाबा बैद्यनाथ धाम आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की यात्रा सुरक्षित, सुगम और यादगार बन सके।

कार्यपालक अभियंता गौतम राणा के बेहतर कार्यो से विभाग बना उत्कृष्ट

बिनय मिश्रा

पश्चिम सिंहभूम जिला के चाईबासा और चक्रधरपुर प्विद्युत विभाग प्रमंडल अपने दायित्व और बेहतर कार्यों से विभाग को एक नयी पहचान दी है समस्याओं के निष्पादन हेतु कार्यपालक अभियंता गौतम राणा के द्वारा सकारात्मक पहल अपने आप में एक उपलब्धि और गौरव की बात है श्री राणा चाईबासा के साथ-साथ चक्रधरपुर के भी अतिरिक्त प्रभार में है और उनके 13 माह का कार्यकाल उपलब्धि भरा रहा है कार्यपालक अभियंता का स्पष्ट कहना और मानना है की निष्पादन के लिए उनके समक्ष जो भीसमस्या आते हैं उसके लिए वह सकारात्मक पहल करते हैं जिससे कि लोगों को विद्युत विभाग के प्रति विश्वास और साथ दोनों बना रहे हैं श्री राणा चाईबासा और चक्रधरपुर दोनों प्रमंडल में बेहतर और उत्कृष्ट कार्यों से एक बेहतर कार्य प्रणाली का सृजन किया है समस्याओं की जानकारी मिलते हैं उन्हें दूर करने के तत्क्षणप्रयास भी काफी सराहनीय है इसी का यह परिणाम है कि ऊर्जा विभाग के सचिव के श्रीनिवासन भी इस जिला में विद्युत से संबंधित कार्यों को बेहतर पाया है विदित हो कि ऊर्जा सचिव के श्रीनिवासन चाईबासा के अनुमंडल पदाधिकारी तथा पश्चिम सिंहभूम चाईबासा के उपायुक्त भी रह चुके हैं जिसके फल से उसे चाईबासा है वह चक्रधरपुर के विद्युत विभाग के भौगोलिक परिस्थिति से वे भली भांति परिचित है इस प्रकार से कहा जा सकता है कि चाईबासा व चक्रधरपुर के कार्यपालक अभियंता गौतम राणा के बेहतर उत्कृष्ट कार्यों से विभाग काफी गौरवान्वित है।

झुमावती हॉस्पिटल में ईपीएफओ का संयुक्त जागरूकता शिविर आयोजित

संवाददाता

साहिबगंज : शहर के आजाद नगर स्थित झुमावती हॉस्पिटल में डॉ। अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में कर्मचारी राज्य बीमा निगम ईएसआईसी व कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ईपीएफओ द्वारा संयुक्त रूप से जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।शिविर में शाखा प्रबंधक विनय कुमार पंडित तथा ईपीएफओ के अधिकारी अंकित कुमार,सामाजिक सुरक्षा सहायक सा राजकुमार एवं राजेश सिंह ने अस्पताल में कार्यरत सभी कर्मचारियों को एरक्ट और ईपीएफओ की विभिन्न योजनाओं,लाभों एवं सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी।अधिकारियों ने कर्मचारियों को कर्मचारी राज्य बीमा योजना के तहत मिलने वाली चिकित्सा सुविधा,मातृत्व लाभ,बीमारी एवं दुर्घटना सहायता सहित अन्य सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की जानकारी दी।वहीं ईपीएफओ के अंतर्गत भविष्य निधि पीएफ पेंशन बीमा एवं ऑनलाइन सेवाओं से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां भी साझा की गई।कार्यक्रम के दौरान कर्मचारियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया, जिससे उपस्थित सभी कर्मचारी संतुष्ट नजर आए और उन्होंने इस प्रकार के जागरूकता शिविरों को उपयोगी बताया।शिविर के सफल संचालन में विवेकानंद सिंह एवं छोटू शर्मा का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।आयोजकों ने भविष्य में भी कर्मचारियों के हित में ऐसे जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही।

आदिवासी परिवार का बोकारो उपायुक्त ने जूस पिलाकर अनशन तोड़वाया, 11 दिनों से कर रहे थे भूख हड़ताल

संवाददाता

बोकारो : जिले में 11 दिनों से अनशन पर बैठे आदिवासी परिवार को बोकारो उपायुक्त ने जूस पिलाकर अनशन तोड़वाया है। दरअसल बोकारो स्टील प्लांट के कर्मचारी सुभाषचंद्र मोदी, प्लांट में काम करने के दौरान हादसे के दौरान घायल हो गए थे, जहां 17 जुलाई को इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

नियोजन की मांग को लेकर अनशन पर थे परिजन

नियोजन की मांग को लेकर परिजन इरछ के अउट बिल्डिंग के पास स्थित टूटेन गार्डन में अनशन पर थे। कर्मचारी का शव बोकारो जेनरल अस्पताल के मॉर्चरी में 11 दिनों से रखा हुआ था। परिवार के लोग और विस्थापित, अउट बिल्डिंग के पास मांगों को लेकर आंदोलन करते रहे।

उपायुक्त ने संभाला मोर्चा

इधर, बोकारो स्टील प्लांट ने अपने नियम का हवाला देते हुए परमानेंट नौकरी से इनकार किया है, जबकि उपायुक्त की पहल पर दो बेटों का इरछ प्लांट के अंदर कॉन्ट्रैक्ट बेसिस पर नौकरी देने की बात पर सहमति बन चुकी है और प्लांट के अंदर एक कंपनी का ऑफर लेटर इरछ के अधिकारी द्वारा दिया गया है। वहीं मृतक की बेटी, जो आर्चरी खिलाड़ी है, उसे भी जिला प्रशासन की तरफ से समायोजित करने की बात कही गई है।

पीड़ित परिवार को दिलाया जाएगा कल्याणकारी योजना का लाभः डीसी

मौके पर पहुंचे डीसी अजय नाथ झा ने कहा कि ये आदिवासी परिवार से आते हैं, जो हमारे परिवार का ही भाग है, ऐसे में कई सारी कल्याणकारी योजना है, जिसके जरिए परिवार को लाभ दिलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि परिवार को कोई दिक्कत नहीं होगी।

अब करेंगे पापा का अंतिम संस्कारः मृतक की बेटी

वहीं मृतक सुभाष मोदी की पत्नी ने कहा कि डीसी साहब ने आश्वस्त किया है और प्लांट में कॉन्ट्रैक्ट पर काम दिया गया है, साथ ही क्वार्टर और स्वास्थ्य सेवा भी बहाल रहने की बात कही है। मृतक की बेटी, जो आर्चरी खिलाड़ी है ने बताया कि 11 दिनों से पापा की बॉडी मॉर्चरी में है। आज अनशन खत्म हुआ तो उनकी अंतिम क्रिया की जाएगी जबकि बीजेपी नेत्री एंजेला सिंह ने कहा कि बोकारो उपायुक्त की पहल पर अनशन समाप्त किया गया है, उनका बहुत ही सराहनीय काम रहा है।

सिमडेगा हेरिटेज सेंटर-सह-म्यूजियम ने रचा इतिहास, स्कॉच पुरस्कार 2026 के सेमीफाइनल में बनाई जगह

संवाददाता

सिमडेगा : जिले के लिए गर्व की बात है कि सिमडेगा हेरिटेज सेंटर-सह-म्यूजियम का चयन प्रतिष्ठित स्कॉच पुरस्कार 2026 के सेमीफाइनल के लिए किया गया है। स्कॉच ग्रुप के अध्यक्ष समीर कोच्छार द्वारा जारी प्रमाण-पत्र में इस अभिनव पहल को राष्ट्रीय स्तर पर सेमीफाइनल में सफल घोषित किया गया है।

सिमडेगा का हेरिटेज सेंटर-सह-म्यूजियम जिले की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और जनजातीय विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन का महत्वपूर्ण केंद्र बनकर उभरा है। यह संग्रहालय स्थानीय इतिहास, परंपराओं और सांस्कृतिक धरोहर को नई पीढ़ी तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभा रहा है।

इस उपलब्धि से न केवल सिमडेगा, बल्कि पूरे झारखंड को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिली है। जिला प्रशासन ने इसे जिले के नागरिकों, जनप्रतिनिधियों और संबंधित विभागों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम बताया। प्रशासन ने कहा कि भविष्य में भी सामाजिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए निरंतर प्रयास जारी रहेंगे।

स्कॉच पुरस्कार के सेमीफाइनल में स्थान मिलने से जिले में उत्साह का माहौल है। यह उपलब्धि सिमडेगा की समृद्ध विरासत को राष्ट्रीय मंच पर स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

यदुवंश सहायः पलामू का वह जननायक जिसके हस्ताक्षर भारतीय संविधान पर अंकित हैं

हृदयानंद मिश्रा

भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में अनेक ऐसे व्यक्तित्व हुए जिनका राष्ट्रीय योगदान समय के साथ धुंधला पड़ गया, जबकि उनका कार्य आज भी भारतीय लोकतंत्र की नींव में अंकित है। पलामू के महान स्वतंत्रता सेनानी, प्रख्यात अधिवक्ता और संविधान सभा के सदस्य यदुवंश सहाय (यदु बाबू) ऐसे ही व्यक्तित्व थे।

यदुवंश सहाय ने स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय भागीदारी निभाई और बाद में संविधान सभा के सदस्य के रूप में भारत के लोकतांत्रिक भविष्य के निर्माण में योगदान दिया। भारतीय संविधान पर उनके हस्ताक्षर आज भी इस बात के साक्षी हैं कि पलामू ने केवल स्वतंत्रता संग्राम में ही नहीं, बल्कि राष्ट्रनिर्माण की प्रक्रिया में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

यदु बाबू का सार्वजनिक जीवन जनसेवा का पर्याय था। वे गांधीवादी विचारों से प्रेरित थे और पलामू की समस्याओं को राष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने के लिए निरंतर

सक्रिय रहे। स्वतंत्रता के बाद भी उन्होंने जनप्रतिनिधि के रूप में जनता की आवाज को विधानमंडल तक पहुँचाया। उनके संसदीय प्रश्नों और सार्वजनिक हस्तक्षेपों से स्पष्ट होता है कि शिक्षा, सिंचाई, किसानों, ग्रामीण विकास और सामाजिक न्याय जैसे विषय उनके चिंतन के केंद्र में थे।

महात्मा गांधी की हत्या के बाद पलामू में निकले विशाल शोक जुलूस में उनके नेतृत्व को आज भी स्थानीय जनस्मृतियाँ याद करती हैं। यह केवल एक आयोजन नहीं था, बल्कि गांधीवादी मूल्यों के प्रति पलामू की आस्था का प्रतीक था।

25 फरवरी 1950 को सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होने के बाद उनका निधन हो गया। उनके निधन से पलामू ही नहीं, पूरा बिहार शोकाकुल हो उठा। समकालीन विवरणों के अनुसार उनके असामयिक निधन को सार्वजनिक जीवन की बड़ी क्षति माना गया, और उन्हें व्यापक श्रद्धांजलि दी गई।

आज आवश्यकता है कि यदुवंश सहाय के व्यक्तित्व और कृतित्व का पुनर्मूल्यांकन किया जाए। उनके विधानसभा में उठाए गए प्रश्नों, संविधान सभा में योगदान, गांधीजी, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, जयप्रकाश नारायण और अन्य राष्ट्रीय नेताओं से उनके संबंधों पर गंभीर शोध हो। यदि ऐसा होता है, तो यह केवल एक महान स्वतंत्रता सेनानी का सम्मान नहीं होगा, बल्कि पलामू के इतिहास को उसका उचित स्थान दिलाने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम होगा। यदुवंश सहाय का जीवन हमें यह सिखाता है कि सच्चा जननेता वही है जो सत्ता से नहीं, सेवा से पहचाना जाए उनका जीवन और योगदान आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना स्वतंत्रता आंदोलन में था।